



नई सोच नई पहल

ज्वालियर: वर्ष:4 : अंक: 28

ज्वालियर, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

रूस का आर्म्स सप्लायर जिसे कहते हैं मौत का सौदागर



गॉडफादर ऑफ आर्म्स, रूसी हथियार डीलर विकटर बाउट को लेकर एक फिर दुनियाभर में चर्चा शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि जेल से रिहा होने के बाद बाउट यमन में इरान समर्थित हूती विद्रोहियों को हथियार सप्लाई करने में शामिल है। विकटर बाउट, जिसे उसके हथियार तस्कर नेटवर्क के कारण मर्चेंट ऑफ डेथ के नाम से भी जाना जाता है, को स्टार ब्रिटनी गिन्नर के बदले कैदी के रूप में रिहा किया गया था। तो चलिए इस रिपोर्ट में हम आपको गॉडफादर ऑफ आर्म्स का मतलब समझाते हैं साथ ही यह भी बताते हैं कि आखिर ये विकटर बाउट है कौन। गॉडफादर ऑफ आर्म्स का मतलब उन लोगों से है जो हथियारों के व्यापार, तस्करी या वितरण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इन्हें इस नाम से इसलिए पुकारा जाता है क्योंकि ये लोग अपने क्षेत्र में बेहद प्रभावशाली और शक्तिशाली होते हैं। ये लोग गुप्त और अवैध तरीके से हथियारों की सप्लाई करते हैं और इनके नेटवर्क में कई देशों के अपराधी, आतंकवादी संगठन और सरकारी अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। गॉडफादर ऑफ आर्म्स का इतिहास बहुत पुराना है। हथियारों का अवैध व्यापार सदियों से चल रहा है, लेकिन 20वीं सदी में इसने बड़े पैमाने पर रफ्तार पकड़ी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, कई देशों में हथियारों की भारी मात्रा में मांग बढ़ी। इसी दौर में कई कुख्यात हथियार तस्करों का उदय हुआ, जिन्होंने अवैध तरीके से हथियारों का व्यापार कर भारी मुनाफा कमाया। इनमें विकटर बाउट का नाम सबसे प्रमुख है, जिसे मर्चेंट ऑफ डेथ के नाम से भी जाना जाता है। बाउट ने अफ्रीका, मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हथियारों की तस्करी की है। 2008 में उसे थाईलैंड में गिरफ्तार किया गया था और बाद में अमेरिका में दोषी ठहराया गया। विकटर बाउट कुख्यात रूसी हथियार तस्कर है। बाउट का जन्म 13 जनवरी 1967 को सोवियत संघ (अब ताजिकिस्तान) में हुआ था। विकटर बाउट ने सोवियत सैन्य बलों में एक अनुवादक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। उसे कई भाषाओं का ज्ञान है और इसी वजह से बाउट को व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मदद मिली। सोवियत संघ के विघटन के बाद, बाउट ने एक एयर कार्गो कंपनी शुरू की, जो बाद में उसके अवैध हथियारों के व्यापार का माध्यम बनी।

यूपी उपचुनाव के लिए सपा ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, लालू यादव के दामाद को मिला टिकट



लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की करहल सीट से उनके भतीजे तेज प्रताप यादव को टिकट दिया है। तेज प्रताप यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के दामाद हैं। उन्हें लोकसभा चुनाव में कन्नौज से टिकट मिला था लेकिन बाद उनकी जगह अखिलेश यादव खुद चुनाव लड़े। वहीं, फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश कुमार की सीट मिलेकीपुर से उनके बेटे अजीत प्रसाद को चुनाव मैदान में उतारा गया है। सीसामऊ से नसीम सोलंकी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है। फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी को टिकट दिया गया है। मंझवा से डॉ. ज्योति बिंद को सपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि कटेहरी से शोभावती वर्मा को टिकट मिला है। जानकारी के अनुसार, करहल के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव सैफई परिवार से हैं। वह मुलायम सिंह के बड़े भाई के पोते हैं। वह मैनपुरी से सांसद भी रह चुके हैं। उनकी शादी लालू यादव की बेटे राजलक्ष्मी यादव से साल 2015 में हुई थी। नसीम सोलंकी पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी हैं। वहीं, अजीत प्रसाद अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे हैं। शोभावती वर्मा अंबेडकरनगर के सांसद लालजी वर्मा की पत्नी हैं। वह जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। इसी प्रकार ज्योति बिंद सपा नेता रमेश बिंद की बेटा हैं। रमेश बिंद अनुप्रिया पटेल से लोकसभा चुनाव 2024 में मिर्जापुर से हार गए थे। सपा ने अभी तक चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। इनमें गाजियाबाद से बीजेपी, खैर से बीजेपी, मीरपुर से आरएलडी उम्मीदवार और कुंदरकी से सपा उम्मीदवार ने 2022 के चुनाव में जीत दर्ज की थी। माना जा रहा है कि सपा कांग्रेस के लिए कुछ सीटें छोड़ सकती है। हालांकि कुंदरकी सपा अपने पास ही रखना चाह रही है। बता दें कि यूपी में दस विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना है। ये सीटें लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद विधायकों के इस्तीफे के बाद खाली हुई हैं। सीसामऊ सीट से विधायक एक मामले में सजा पाने के बाद अयोग्य घोषित हो गए थे।

कांग्रेस में कलह! हरियाणा में मिली हार के बाद हुड़ा आ रहे दिल्ली

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की संभावित जीत केसे हार में बदल गई, पार्टी इस पर मंथन करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की ओर से सीएम के दावेदार भूपेंद्र सिंह हुड़ा आज दिल्ली आ रहे हैं। वहीं पार्टी की इस हार पर कांग्रेस के अंदर भी कलह तेज हो गई है। इस बीच कुमारी शैलजा का भी बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा है कि कहां क्या कमी रह गई है पार्टी इस पर विचार करेगी। हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस का अंदरूनी कलह सामने आने लगा है। पार्टी की सांसद कुमारी शैलजा और कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड़ा की गुटबाजी अब सामने आने लगी है। इस बीच कुमारी शैलजा ने कहा कि बहुत कुछ होते हुए, हमने सारी चीजों को ढककर, साथ मिलकर चुनाव लड़ा। अब नए सिरे से आगे सोचना होगा, क्योंकि जो ये अभी चल रहा है, ऐसा तो नहीं चलेगा। हाईकमान को यह देखना चाहिए कि क्या हुआ। मुझे भरसा है कि हाईकमान पर पहलू

को देखे कि क्या हुआ है, किसकी कहां क्या कमी

हरियाणा में वोटिंग के बाद नतीजों से पहले यह लग



रही और क्यों ऐसा नतीजा आया।



रहा था कि कांग्रेस चुनाव जीत रही है। लेकिन जब

रिजल्ट आए तो एकदम उल्टा हुआ। कांग्रेस चुनाव हार गई। माना जा रहा है कि कांग्रेस की हार के पीछे प्रमुख वजह है पार्टी के अंदर गुटबाजी। वहीं सीट बंटवारे में गड़बड़ी भी एक वजह रही। कांग्रेस के कास्ट फैक्टर कैलकुलेशन में हुई गलती को भी हार की वजह माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में 48 सीट जीतकर भाजपा सत्ता बरकरार रखने और लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। वहीं कांग्रेस को 37 सीटों पर जीत मिली है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने दो सीटें जीतीं, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को तीन सीटें मिलीं। जननायक जनता पार्टी (जजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों को चुनावों में कोई सफलता नहीं मिली। बीजेपी और कांग्रेस का मत प्रतिशत लगभग बराबर रहा। बीजेपी को 39.94 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस को 39.09 प्रतिशत मत मिले।

अंडरग्राउंड मुंबई मेट्रो लाइन पर दूसरे दिन भी दिखी यात्रियों की कमी

मुंबई। मुंबई में अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन की शुरुआत हो चुकी है। अब खबर आ रही है कि लोग इस मेट्रो में आने से अभी कतरा रहे हैं। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) के प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई मेट्रो लाइन 3 या एका लाइन, चरण 1 के नव-खुले अंडरग्राउंड कॉरिडोर का मंगलवार को पूर्ण परिचालन के पहले दिन रात 9 बजे तक महज 20,482 यात्रियों ने यात्री की। साथ ही कहा कि यह पूर्ण सेवा का पहला दिन था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मुंबई मेट्रो लाइन 3 के बांद्रा कुर्ली कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से आरंभ की जेवीएलआर खंड के 12.69 किलोमीटर लंबे फेज-1 का उद्घाटन किया। वहीं, सोमवार को परिचालन के पहले

दिन नई मेट्रो लाइन पर पूरे दिन (सुबह 11 बजे से रात 10.30 बजे के बीच) 18,015 यात्रियों ने यात्रा की। बता दें कि



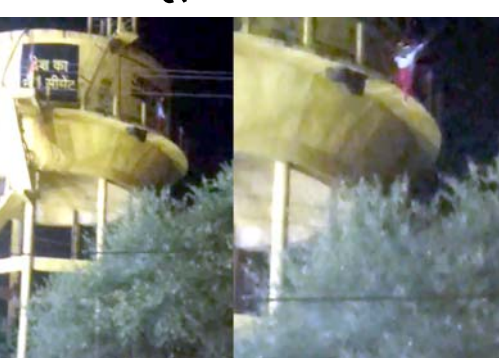
अधिकारियों ने माना था कि इस मेट्रो से करीबन हर दिन 4 लाख यात्री सफर करेंगे, इसी पर मुंबई

मेट्रो लाइन 3 का वित्तीय मॉडल आधारित है। नवीनतम मेट्रो कॉरिडोर, हाल ही में शुरू की गई उन बुनियादी

है, जिसके कारण ऐसे उपक्रमों को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं, जो शहर को बहुप्रतीक्षित +ग्लोबल लुक- देते हैं। यह एका लाइन का पहला चरण भारत के सबसे शानदार व्यापारिक जिले बीकेसी के अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) के घरेलू और इंटरनेशनल टर्मिनलों और घाटकोपर-अंधेरी-वर्सेवा खंड को मेट्रो कनेक्ट करता है। एमएमआरसी के मुताबिक, आरंभ जेवीएलआर और बीकेसी के बीच एका लाइन के पहले चरण की अनुमानित रोजाना सवारियां 4 लाख हैं, जबकि संपूर्ण कॉरिडोर (जो 33.5 किमी लंबा है), चालू होने पर, प्रतिदिन 13 लाख सवारियां होने की उम्मीद है।

देवास में लड़की ने पानी की टंकी से कूद कर दे दी जान

देवास जिले के हंट पिपलिया खौफनाक दिल को दहला देने वाला मामला सामने आ रही है। यहां गीता भवन के पास स्थित पानी की टंकी पर एक लड़की चढ़ जाती है। फिर ये खबर देखते ही देखते यह खबर आग की तरह फैल जाती है और लोगों को हजूम लगना शुरू हो जाता है। घंटों तक नीचे खड़े लोग उसे नीचे उतरने की गुजारिश करते हैं। कई लोगों ने ऊपर चढ़कर उसे उतारने का प्रयास किया, पर असफल होकर वे वापस आ गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद लड़की को आनन-फानन में अस्पताल लेकर गई। इसी दौरान लोग नीचे आ जाने को कहते हैं, और लड़की ऊपर से कूदने का प्रयास कर रही है। लोग नीचे से उसे मनाने का प्रयास कर रहे हैं, पर उसने किसी की एक न सुनी और आखिरकार उसने छलांग लगा दी। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया जहां उसे इंटीर रेफर कर दिया गया। वहां भी आखिरकार उसकी जिंदगी की डोर इलाज के दौरान टूट गई। उसने ऐसा खौफनाक कदम क्यों उठाया यह अभी पुलिस तलाश करने में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक, लड़की की उम्र 17 साल थी। वह हंट पिपलिया की ही रहने वाली थी। घटना के बारे में परिजनों को पता चला जिसके बाद वे अस्पताल पहुंचे और शव घर ले गए। इस मामले में पुलिस आगे कुछ भी नहीं बता रही। वहीं, परिजनों भी मामले में बात करने के कतरा रहे हैं। पुलिस आगे जांच कर स्थिति बताने को कह रही। जांच के लिए पुलिस ने नाबालिग का फोन जब्त कर लिया है। वहीं, लोगों का कहना है कि लड़की की आत्महत्या के जो भी कारण रहे हो, पर अगर समय पर पुलिस पहुंच जाती तो शायद उस लड़की को बचाया जा सकता था।



हरियाणा के नतीजों को लेकर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस के अंदर खलबली मची हुई है। क्योंकि जहां जीत संभावित थी वहां पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। अब कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगा है। समय मिलते ही कांग्रेस के नेता चुनाव आयोग जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी हरियाणा के नतीजे को अप्रत्याशित बता चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को

अवगत कराएंगे।सभी हरियाणा वासियों को उनके

उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद।

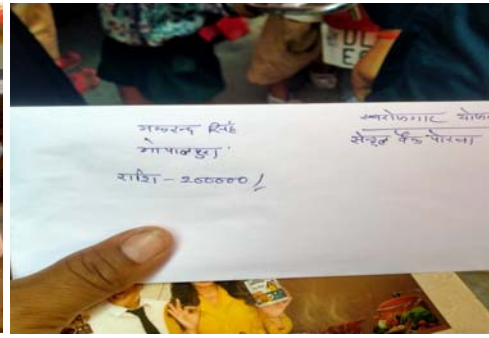


समर्थन और हमारे बम्बर शेर कार्यकर्ताओं को

राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद पार्टी नेताओं ने चुनाव आयोग से मुलाकात का समय मांगा है। जैसे ही आयोग की ओर से मुलाकात का वक्त दिया जाएगा, पार्टी नेताओं की ओर से हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर शिकायत दर्ज कराई जाएगी। बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 सीटों में से 48 सीट पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस को 37

अप्रत्याशित हार उसके रणनीतिकारों के लिए हैरान करने वाली है। मतगणना से पहले सारे अनुमानों में हरियाणा में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने के दावे किए जा रहे थे। कांग्रेस के रणनीतिकार जीत तय मानकर चल रहे थे और आशा कर रहे थे कि हरियाणा में जीत के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति बेहतर होगी वहीं अपने सहयोगियों के सामने भी उनकी स्थिति पहले से मजबूत हो जाएगी। हरियाणा में कांग्रेस की हार को महाराष्ट्र और झारखंड में उसकी संभावनाओं के लिए झटका माना जा रहा है, हालांकि पार्टी का कहना है कि किसी एक चुनाव परिणाम की तुलना दूसरे से नहीं की जा सकती।

हर बात में कल्याण है, जबकि ईश्वर के भजन में ही शांति है



पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र की सुप्रीम कंपनी में ब्रह्माकुमारीज के द्वारा आंतरिक शांति एवं मानसिक कल्याण विषय पर एकदिवसीय कार्यक्रम रखा गया था जिसमें ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने उद्धोषन से संबोधित किया था व्यक्ति शांति की चाह लेकर साधनों की तरफ दौड़ लगा रहा है, जैसा कि हम देख पा रहे हैं इस साधनों से मिलने वाली शांति अल्पकाल की होती है, लेकिन आवश्यकता है आंतरिक शांति की इस जिसके लिए हमें अपने विचारों पर ध्यान एकाग्र करना

होगा यह क्योंकि विचार ही वह बीज है जो हमें मन की शांति प्राप्त करा सकता है यह शांति बात मन के कल्याण की, उसके लिए हमें कुछ बातों पर ध्यान रखना होगा 1- सदा हमें कल्याण अर्थ ही विचार करना है 2 - जैसा भी वातावरण है उसे हमें स्वीकार करना होगा 3- आसपास की हर बात को, व्यक्ति के विचारों को स्वीकार करते हुए खुश रहना होगा 4- हर बात में कल्याण है यह बात मन में पक्का करना होगा जब हम इन चार बातों को जीवन में उतार लेंगे तो हम अपने मन के साथ-साथ जीवन का और सबका कल्याण कर सकते हैं यह इसी कड़ी में कार्यक्रम के

अंतर्गत ब्रह्माकुमार महेश भाई ने अपना सत्य परिचय देते हुए बताया था मैं कहने वाला शरीर दिन भर में कई बार मैं और मेरा कहता है यह वास्तव में, मैं कहने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा है यह जब हम अपने असली स्वधर्म में टिकते हैं यह अपने असली स्वरूप ज्योति बिंदु को पहचानते हैं और अपने असली घर शांतिधाम की याद करते हैं तथा जो हमारा वास्तव में परमपिता शिव शांति का सागर है, उनसे अपना संबंध जोड़ते हैं यह तभी हम सच्ची शांति की प्राप्ति कर पाते हैं और अच्छे-अच्छे विचार करके अपने मन को, विचारों को, भावनाओं को, विश्व की सभी आत्माओं के लिए

कल्याण की शुभ कामनाएं दे पाते हैं यह कार्यक्रम में बहुत सुंदर एक्टिविटी कराकर और कुछ दृढ़ संकल्प कराकर कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी श्रोताओं को आने वाले भविष्य के लिए आशासन दिया, जो होगा बहुत अच्छा होगा यह कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारियों ने ब्रह्माकुमारी संस्था से आये हुए भाई बहनों को धन्यवाद दिया और बोले दिनभर कंपनी में कार्य करते हुए विचारों में कंपनी की ही बातें आती रहती है और जब ऐसे प्रोग्राम किए जाते हैं तो उनसे मन के विचार परिवर्तन होते ही है यह इसीलिए इस प्रकार के कार्यक्रम होते ही रहना चाहिए।



हर गरीब वर्ग, वंचित के साथ हमारी डबल इंजन की सरकार संकल्पित व वचनबद्ध है: श्रीमती कुसुमा तोमर निकाय में निवासरत हर व्यक्ति को सुगमतापूर्वक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता: सेंगर

पोरसा। सरकार की मंशानुसूच, संकल्पित हर गरीब वर्ग को परिवार को खुशहाली प्रदान करना है इसी के लिए अनेक प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं भी सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं जिसमें स्व निधि से समृद्धि योजना के तहत विभिन्न प्रकार के रोजगार संबंधी व अन्य योजना के संबंधमें पोरसा नगर पालिका द्वारा बुधवार को शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न योजनाओं में उनकी पात्रता अनुसार ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए जिसमें 20000, 50000, 2 लाख तक की स्वीकृति पत्र नगर पालिका द्वारा वितरित किए गए अन्य योजना में जिसमें लगभग 1780 लोगों के आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें जिसमें 854 का प्रोफाइल व पात्रता रखने वाले हितग्राहियों, कुछ अन्य योजनाओं जिनमें पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जन धन योजना, जीवन ज्योति योजना, मातृत्व वंदना योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना, जननी सुरक्षा योजना के तहत पंजीकरण किए गए व पात्र हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र दिए गए इस मौके पर नगर निकाय अध्यक्ष श्रीमती कुसुमा रामवीर सिंह तोमर, सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर, राजस्व निरीक्षक कुम्हार सिंह, बजटिकोशर तिवारी एकाउंटेंट, राधेन्द्र सिंह जादौन सह 2, बिजेंद्र सिंह जादौन, जैन साहब, हाकिम त्यागी, जवाहर सिंह, राम दीन, दिनेश सिंह, इंद्रवीर सिंह, मनोज, मुंशीजी, जोशान व पात्र हितग्राहियों के साथ साथ आम जन भी मौजूद थे।



ककरवाहा के इंद्रानगर में सजे माता रानी के दरबार आपको बता दे की संवाददाता विवेक राय

ककरवाहा (इंद्रानगर) नवरात्र पर्व पर माता के भक्तों के द्वारा गांव में जगह-जगह माता रानी के पांडाल सजाए गए हैं। नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्र पर्व पर ग्रामीण भाग से पूजा अर्चना कर रहे हैं और शाम की आरती में सम्मिलित हुए ग्रामवासी एवं नगरवासी श्रद्धा भाव से आरती की और शांतिपूर्वक में प्रसाद भी वितरित किया गया आज का प्रसाद हमारे (संवादादाता) संवादादाता विवेक राय की तरफ से खीर का प्रसाद वितरित करवाया गया और आपको बता दें कि दो भागों में प्रसाद वितरित करवाया गया जो व्यक्ति 9 दिन उपवास है उसके लिए सकुंदन की खीर वितरित की गई और जो अपने गांव के और आसपास के भक्ति आरती में सम्मिलित हुए उनको भी खीर का प्रसाद वितरित किया गया। इंद्रानगर के पास माता रानी का दरबार सजाया गया है। सुबह और शाम माता रानी के पांडालों में भक्तों की भीड़ दर्शनों और पूजा अर्चना के लिए पहुंच रही है ककरवाहा में 5 से अधिक स्थानों पर माता रानी के दरबार सजाए गए हैं।

नगर परिषद के द्वारा निकाली जाएगी शोभा यात्रा और स्कूल ग्राउंड में होगा इस वर्ष रावण दहन पुष्पांजली टुडे रिपोर्ट मौर डॉ. बेंताल सिंह गौड़



आज मी नगर में नगर परिषद पर समस्त समाजों के गढ़ मान्य नागरिकों की उपस्थिति में एक अहम बैठक रखी गई जिसमें चर्चा हुई की रत्ना रोड से गांधी मार्केट गोलंबर तक भगवान राम की शोभा यात्रा निकाली जाएगी और स्कूल प्रांगण सब्जी मंडी के सामने वहां पर रावण दहन होगा इस बीच नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन यादव, सी.एम.ओ. महेश पुरोहित, मरजाद सिंह यादव, जिनेंद्र जैन, पार्श्व यादव, पार्श्व प्रमोद यादव, पार्श्व रामसेनही जाटव, भिंटर शर्मा, रामअवतार गुजर, वीरेंद्र यादव, उदयवीर यादव, वकील यादव, कोमल दौवाना, गोविंद खेरटया,

शासकीय कमला राजा कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत मनाया गया मद्य निषेध सप्ताह

अर्चित गुप्ता उपसंपादक पुष्पांजली टुडे
ग्वालियर। ग्वालियर शहर के शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्तरापी महाविद्यालय ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अंतर्गत मद्य निषेध सप्ताह 2/10/2024 से 8/10/2024 तक मनाया गया। इसमें अलग अलग गतिविधियों के द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया गया इस नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत सर्वप्रथम छात्राओं ने केवल स्वयं के लिए बल्कि समुदाय, परिवार तथा मित्र परिवार और अपने प्रदेश, देश को नशा मुक्त करने की शपथ ली। मद्य निषेध सप्ताह अंतर्गत निम्न और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने एक पाठि अपने के नाम अभियान चलाया, इसमें स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय की अन्य छात्राओं को नशा मुक्ति के लिए जागरूक करने का कार्य किया। इस सप्ताह में स्वयंसेविकाओं ने नशा मुक्ति उद्देश्य से रैली निकाली रैली में उन्होंने बीड़ी पीके खास रहा है नौत के आगे नाच रहा है तथा नशे को छोड़ो, रिहते को छोड़ो ऐसे नारे लगाए और मानव श्रृंखला का भी निर्माण किया और आम जनमानस को जागरूक करने का कार्य किया। इस कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जयश्री चौहान के संस्थान में और राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यकर्ता अधिकांश डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. नीला श्रीवास्तव, डॉ. संगीता सोमवंशी के मार्गदर्शन में हुआ। संपूर्ण मद्य निषेध सप्ताह के कार्यक्रमों में छात्राओं ने बहुरंग कर भागीदारी की और कार्यक्रम को सफल बनाया।

पुलिस द्वारा अंधे कल्ल का पर्दाफाश कर आरोपी को भेजा गया न्यायिक हिरासत में

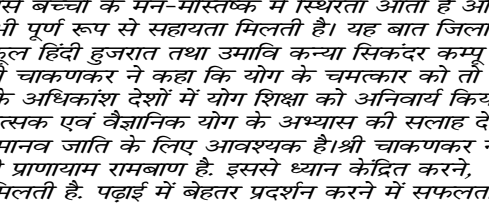


दैनिक पुष्पांजली टुडे
भिण्ड। 08 अक्टूबर 2024 को फरियादी हरेन्द्र यादव पुत्र जसरथ यादव उम्र 20 साल नि.वा.ड.नं. 14 गोमरी ने मय अपने चचेरे भाई बंटी यादव और हरी यादव के उपस्थित थाना आकर जबानी रिपोर्ट की कि, मैं व मेरे घर के भारत यादव, राधेन्द्र यादव व विनीता भाभी घर में लगभग 11 रात्रि को खाना खा - पीकर सो गये थे, तबतक मेरा भाई राजू यादव घर पर नहीं आया था, आज दिनांक 07/10/2024 को सुबह करीबन 06 मैंने बाहर आकर देखा तो मेरे भाई राजू यादव उम्र 18 साल घर के बाहर चबूतरे पर लेटा था, मैंने जाकर जगया जो नहीं जागा, मैंने नजदीक जाकर देखा तो मेरे भाई राजू यादव के बायें तरफ पसली मे गोली जैसा घाव होकर खून निकल रहा था, गोली किसने मारी इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है, मेरे भाई राजू यादव की मृत्यु हो चुकी है। मेरे भाई की किसी ने गोली मार कर हत्या कर दी है। मेरा भाई का शव घर के बाहर चबूतरे पर पड़ा है। रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपीगणों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 234/24 धारा 103(1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी अनुभाग मेहागंज के निर्देशन में थाना प्रभारी गोमरी जिन ध्यानेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में टीम बनाकर अज्ञात आरोपियों की पतासे की गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया की मृतक राजू यादव अंतिम बार अपने साथी सुमित नरवरिया के साथ देखा गया था, सुमित नरवरिया घटना के बाद से फरार है। पुलिस ने सुमित नरवरिया को सदिग्ध मानकर हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सुमित ने बताया कि घटना दिनांक को उसने अपने एक अन्य साथी तथा मृतक राजू यादव के साथ बैठकर शराब पार्टी की उसी पार्टी में राजू से झगडा होने पर उसने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर राजू यादव की गोलीमार कर हत्या कर दी थी। आरोपी से घटना में प्रयुक्त आलाजरज जप्त किया गया तथा आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, एक अन्य आरोपी को जा रही है। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक ध्यानेन्द्र सिंह थाना प्रभारी गोमरी, थाना प्रभारी अमानज उन, वैभव तोमर, थाना प्रभारी बरासे एसआई कोशलेंद्र सिंह, मनीराम नादिर, सजिन. विशम्बर दयाल, प्रधान आरक्षक कोशलेंद्र सिंह, मनीष सिंह, आरक्षक शैलेन्द्र शुक्ला, पंकज शुक्ला, कन्होसिंह, सायवर प्रभारी एसआई सत्यवीर सिंह एवं आर. रहूल यादव की सराहनीय भूमिका रही।



विद्यार्थियों के लिए संजीवनी है योग: चाकणकर. जिला योग प्रभारी ने हिंदी हुजरात एवं सिकंदर कम्पू बच्चों को बताया योग और प्राणायाम का महत्व

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजली टुडे
ग्वालियर विद्यार्थियों के लिए योग संजीवनी है। इससे बच्चों के मन-मस्तिष्क में स्थिरता आती है और बच्चों को अपनी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में भी पूर्ण रूप से सहायता मिलती है। यह बात जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने शासकीय हाई स्कूल हिंदी हुजरात तथा उमावि कन्या सिकंदर कम्पू में विद्यार्थियों से योगाभ्यास के दौरान व्यक्त किए। श्री चाकणकर ने कहा कि योग के चमत्कार को तो पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है इसी वजह से दुनिया के अधिकांश देशों में योग शिक्षा को अनिवार्य किया गया है। योग के प्रभाव को देखते हुए आज चिकित्सक एवं वैज्ञानिक योग के अभ्यास को सलाह देते हैं। योग साधु-संतों के लिए ही नहीं वरन् समस्त मानव जाति के लिए आवश्यक है। श्री चाकणकर ने कहा कि पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए भ्रामरी प्राणायाम रामबाण है। इससे ध्यान केंद्रित करने, एकाग्रता बढ़ाने और यादाश्त तेज करने में मदद मिलती है। पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने में सफलता मिलती है और व्यक्तित्व का विकास भी होता है।



स्काउटिंग को अपने जीवन में उतारें स्काउट गाइड-यू एन मिश्रा

जिला स्तर पर द्वितीय सोपान स्काउट एवं गाइड जांच शिविर संपन्न



महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजली टुडे
दतिया जिला स्तर पर गाइड मध्यप्रदेश जिला संघ दतिया द्वारा जिला स्तर पर द्वितीय सोपान स्काउट एवं गाइड जांच शिविर दिनांक 4 से 8 अक्टूबर 2024 तक शासकीय सी. एम. राइज हायर सेकेंडरी स्कूल शासकीय सी. एम. राइज हायर सेकेंडरी स्कूल शासकीय शासकीय परिसर इंंदरगढ़ दतिया में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन श्री अतिबल सिंह डी.ओ.सी.स्काउट जिला दतिया द्वारा किया गया। शिविर में सहायक संचालक श्री राधाचरन जोशी, श्री देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव लहार भिण्ड, श्री गोविंद सिंह धाकड़, श्रीमती ज्योति गुप्ता, श्रीमती शीतल अम्ब, श्री अंकित कुमार विश्वकर्मा, और विशेष रूप से, शिविर पालक श्री निलय सक्रिय स्काउट रहा हूँ। स्काउटिंग जीवन का आधार भौतिक व्यवस्था सहयोगी श्री सुंदर कुमार शर्मा स्वयंसेवी ने सहयोग किया। शिविर के समापन की पूर्व संस्था पर ग्राण्ड कैप फायर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला स्काउट कमिश्नर श्री यू. एन. मिश्रा, श्री निलय गोस्वामी प्राचार्य शासकीय पीजी कॉलेज इंंदरगढ़, श्री रवि त्रिपाठी, अनुपम मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दतिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार श्री एमपी गुप्ता प्राचार्य शासकीय सी.एम.राइज हायर सेकेंडरी स्कूल इंंदरगढ़ के द्वारा व्यक्त किया गया। पांच दिवसीय शिविर के दौरान स्काउट गाइड छात्रों और उसकी जांच परीक्षाएं भी कराई गईं। जिसमें सफल हुए स्काउट गाइड को आगामी ट्रेनिंग के लिए भेजा जावेगा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि 5 दिवसीय शिविर में स्काउट गाइड ने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसे दैनिक जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं भी अपने विद्यार्थी जीवन में एक सक्रिय स्काउट रहा हूँ। स्काउटिंग जीवन का आधार है। युवाओं को इस संगठन से जुड़ना चाहिए। यह दिशा दिखाने व विषम परिस्थितियों में स्वयं को परिपक्व करने का उत्तम प्लेटफॉर्म है। उन्होंने जिले के समस्त संस्था प्रमुखाओं का उपयोग कर भौतिक विद्यालय में स्काउट गतिविधियों का नियमित संचालन अनिवार्य रूप से किया

जाए। सभी बच्चों को आगे बढ़ने के लिए जिले का नाम रोशन करने के लिए, देर सारी शुभकामनाएं प्रदान की, और अपने स्काउटिंग जीवन या एक स्मरणीय गीत गाकर सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया कमलेश भागवत नशा मुक्ति अभियान टीम के साथ उपस्थित हुए शिविर प्रशिक्षार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रतिज्ञा दिलाई, और बताया कि मैं भी एक राज्यपाल स्काउट और एक सक्रिय रोवर रहा हूँ, मैंने भी हाइक व ट्रेकिंग और शिविर में भाग लिया है और सेवाएं दी है। साथ में राजेश कतरोलिया जिला सचिव, जयराम पटवा सह सचिव, अर्चना जाटव संयुक्त सचिव, सम्मिलित श्री शिविर में सेवाएं दे रहे सर्विस रोवर श्री अभिषेक शर्मा का जन्मदिन मनाया गया। शिविर संचालक श्री अतिबल सिंह के द्वारा बताया गया कि, शिविर के दौरान आपदाओं से बचने के तरीके, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर भौतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग कर, जीवन जीने की कला, जैसे बिना बर्तन

के भोजन बनाना, जंगल में रात्रि विश्राम के तौर तरीके, खोज के चिन्ह-सीट के संकेत अनुमान लगाना, शिविर कला, प्रार्थमिक चिकित्सा, और पेट्रोलिंग आदि के बारे में शिविर के दौरान प्रशिक्षण दिया गया किया गया। शिविर में बीपी सिक्स एवं व्यायाम, और योग, श्री राजेश कतरोलिया के द्वारा कराया गया। शिविर का समापन सर्व धर्म प्रार्थना के साथ किया गया। शिविर में सहयोगी श्री हरनारायण झा, श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, श्रीमती ज्योति मोय, श्री हेमंत यादव श्रीराम जाटव श्री इनोसेंट सर्विस रोवर, रंजर कु. गोरी शर्मा, कु. अल्पना शर्मा, श्री अभिषेक शर्मा, श्री अमित शाक्य, अमरदीप शर्मा ने उपस्थित रहकर सहयोग किया। कार्यक्रम की सफलता पर जिला अध्यक्ष श्री माधवेंद्र सिंह परिहार, जिला मुख्य आयुक्त श्री विक्रम सिंह बुंदेला, जिला कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र शर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्री अभिराम शर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती लक्ष्मी राय, आदि ने संचालक मंडल व सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रदान की।

संपादक की कलम से

संकट में है, विश्व-शांति

दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यक्तिचर, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं।

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश।

दुनिया में अशांति का कारण क्या है, हम बार-बार युद्ध क्यों झेल रहे हैं, राष्ट्रों के बीच संघर्ष क्यों हैं? निका वॉकर की किताब 'हम क्यों लड़ते हैं?' संघर्ष, युद्ध और शांति तथा स्टीव किलेलिया की पुस्तक 'अराजकता के युग में शांति' ने हमें वर्तमान समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने तथा विश्व में सतत विकास प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई बातें उजागर की हैं।

जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब यह माना गया था कि यह हफ्तेभर में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूसी आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सहायता ने अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों के बाजार को लाभ पहुंचाया है तथा पूरे यूरोप में युद्ध, फ्लायन, विस्थापन और शरणार्थी मुद्दों के माहौल ने बहुत उथल-पुथल मचा दी है।

युद्ध के अमीर और परमाणु शक्ति-संपन्न देशों के पास 10,000 से अधिक परमाणु हथियार हैं। उनमें से कुछ के ही उपयोग से मानव जीवन और मानव सभ्यता पूरी तरह से गायब हो जाएगी। यह जानते हुए भी तानाशाह लड़ते रहते हैं और परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी देते रहते हैं। मध्य-पूर्व में ईरान, तुर्की, जॉर्डन और लेबनान जैसे इस्लामी देश गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर इजरायल के हमले के कारण इजरायल के खिलाफ हैं।

हमस-हती-हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई और अमेरिका द्वारा उसके समर्थन ने अप्रत्यक्ष रूप से मध्य-पूर्व में विनाश को जन्म दिया है। जब एक आतंकवादी संगठन तालिबान अफगानिस्तान जैसे देश को नियंत्रित कर शासन चला रहा है, तो यह असंभव नहीं है कि दुनिया के सभी आतंकवादी संगठन एकजुट होकर इस दुनिया से लोकतंत्र की नींव का कारण बनें।

तानाशाहों, हिंसक आतंकवादियों के कारण आज दुनिया में शांति से रहना असंभव हो गया है। एकतरफावाद और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों के पास कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं होता। वे किसी धर्म को भी नहीं मानते। इसके बजाय, वे अपनी राय दूसरों पर थोपते हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों की ताकतों के पीछे कॉर्पोरेट हैं। वास्तव में कॉर्पोरेट ताकत ही दुनिया पर राज कर रही है और यही आज की अशांति का मुख्य कारण है।

कॉर्पोरेट सत्ता आतंकवादी संगठनों के लिए हथियार बना रही है, कॉर्पोरेट सत्ता ने तानाशाहों को विश्व व्यापार के लिए लालची बना दिया है, डॉलर से बांध दिया है और दुनिया की प्रमुख संस्थाओं ने 'अंतरराष्ट्रीय मुद्रा व' 'विश्व व्यापार संगठन', 'विश्व बैंक' आदि के माध्यम से कर्ज देकर तीसरी दुनिया को पूरी तरह से बांध लिया है। कॉर्पोरेट सत्ता ने दुनिया के संसाधनों को हड़प लिया है और पूरी दुनिया में आतंक, अशांति, संघर्ष पैदा किया है जिसकी परिणति युद्ध में होती है। इस संबंध में डेविड कॉर्टन की एक बहुचर्चित पुस्तक है, 'व्हेन कॉर्पोरेशंस रूल द वर्ल्ड'। कॉर्पोरेट शासन किस तरह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और विश्व शांति को नुकसान पहुंचा रहा है, यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मध्य-पूर्व में कई वर्षों से चल रहे और हाल के युद्ध के पीछे अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इजरायल का समर्थन कर रहा है।

मौजूदा सरकार की इस्लाम विरोधी नीतियों के प्रचार और इस्लाम विरोधी कदमों के कारण भारत अब सभी इस्लामी देशों के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। इसी तरह, दक्षिण-पश्चिम में चीन के प्रभाव के कारण भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध खो चुका है और संघर्ष में पड़ गया है। यह असंभव नहीं है कि ये सभी संघर्ष आगे चलकर युद्ध में बदल जाएं, जिससे दक्षिण-पश्चिम में एक और युद्ध हो। यह असंभव नहीं है कि तद्बचान पर चीन का लालच, तिब्बत पर चीन का अधिकार और कोरियाई प्रायद्वीप पर दो कोरिया के बीच युद्ध, उत्तर-कोरिया को दक्षिण-कोरिया पर हमला करने के लिए मजबूर कर देगा। दुनिया के 7-8 ऐसे मैदानी युद्ध, कुछ देशों के दलीय-युद्ध विश्व शांति को व्यापक रूप से भंग कर रहे हैं, यह तथ्य है। दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यक्तिचर, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं।

लघु कथा



सुवह मंडी के साथ ही विकास उठता है और देखा है कि आज अंजु विकास की पत्नी काफी सारी फीचों एक बोलतल में दूसरी है। एकदलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यक्तिचर, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं।

जीत की हैट्रिक, मोदी फिर सबित हुए 'मनहर'

जितेन्द्र बच्चन (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।) हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। छामन की बात कहने वाले मोदी जी छामनहर कहेंगे। उनका यह सुनहरा दौर माना जाएगा और संघे शब्दों में कहें तो कांग्रेस और बाकी की सभी पार्टियां भाजपा से गच्चा खा गई हैं। अब तो उन लोगों को भी यह बात मान लेनी चाहिए जो कल तक मोदी की महज जुमलेबाज कहते रहे हैं। मदन-इमदाद के नाम पर जरूरतमंदों को जो कुछ भी सरकार मुहैया करा रही है, उसका असर पूरी तरह पड़ता है। लोगों को भ्रष्टाचार, जमाखोरी और मिलावट के बीच मोदी एक उम्मीद की किरण नजर आते हैं। उनको प्रतीत होता है कि आज नहीं तो कल शिक्षा और स्वस्थ में भी जरूर सुधार आएगा। जाति, धर्म और मजहब के नाम पर बांटने-काटने की सियासत से दूर रहना होगा। यह सब किसी भी तरह से आम लोगों की सेहत के लिए ठीक नहीं है और यही कारण है कि हरियाणा की जनता ने भाजपा को एक बार फिर सत्ता सौंप दी है। इसके दो मायने निकलते हैं। पहला- नायब सिंह सैनी भाजपा के लिए छानायाबल साबित हुए हैं और दूसरा भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। दरअसल, हरियाणा में 10 साल के भाजपा शासन में अन्याय, अत्याचार पर थोड़ा-बहुत अंकुश लगा है। आम जनता में विश्वास की भावना मजबूत हुई है। किसानों और मेहनतकश लोग जानते हैं कि डबल इंजन की सरकार ही उनके लिए फायदेमंद है। आज नहीं तो कल अच्छे दिन आएंगे। बच्चों और महिलाओं का जोखिम कम हुआ है। घर-घूंघट से बाहर निकलकर बहन-बेटियां आसमान छूने का सपना देखने लगी हैं। मध्यम वर्ग महंगाई की मार से जरूर पिस रहा है लेकिन उनके लिए भी सरकार अब 65 रुपये के किलो टमाटर बेच रही है और बता रही है कि वह महंगाई (बाजार में 100 रुपये से भी अधिक) पर कंट्रोल कर रही है। कुपोषण भी तरह-प्रदूषण, कम करने की कोशिश जारी है। जो दिखता है वह बिकता है! मोदी जी जो बोलते हैं, उससे



कई बार लोग सोचते हैं कि कहीं यह वोट बैंक के लिए प्रमित तो नहीं किया जा रहा है। सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक का हिस्सा तो नहीं है! आजकल गरीबी दूर करने पर सरकार

लगातार जोर दे रही है। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए, पहले थाली से दाल गायब हुई और अब सब्जी नहीं मिल रही है। कल तक जो गरीब प्याज-रोटी और हरी मिर्च-नमक खा लेता

था, वही प्याज आज उसे एक बार फिर से खाने लगा है। लेकिन मोदी सरकार के वित्त मंत्री आंकड़े पेश कर कहते हैं कि गरीबी दूर हो रही है। गरीबों की हालत में सुधार आने लगा है। मेहनत-मजदूरी करने वालों की आय का जरिया बढ़ गया है। जीडीपी ग्रोथ पर है। भारत के अधिकतर लोग जीडीपी का अर्थ भले ही पूरी तरह न समझते हों, लेकिन उनको इतना पता है कि मोदी जी के नेतृत्व में देश आर्थिक विकास कर रहा है। किसानों, दिव्यांगों, महिलाओं और वृद्धों के खाते में मामूली ही सही, सरकारी रेशनशि डाल रही है। गरीबी रेखा से नीचे गुजारा कर रही महिलाओं को साल में दो बार मुफ्त में रसोई गैस सिलेंडर मिल रहा है। कई करोड़ लोगों को राशन की दूकान से पांच किलो मोटा अनाज प्राप्त हो रहा है। यही कारण है कि विपक्ष के लाख समझाने के बावजूद जनता भाजपा से मुंह मोड़ने का नहीं है। महंगाई में भी उसे एक कदम आगे बढ़ने की उम्मीद है। दस साल के शासन में पूरी तरह लोग महसूस कर चुके हैं कि मोदी का कोई दूसरा विकल्प नहीं है, इसलिए अपना फैसला सुना दिया है। अब विपक्ष इसे स्वीकार करे या हार पर हार करने का बहाना ढूँढे, हमारा काम था सच का आईना दिखाना।

राहुल गांधी की अमेरिका में टिप्पणियां: सच या दुर्भावना

राम पुनियाजी सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक 'हम हिंदू नहीं' में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मिर्चा मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा परीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी। अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी (आरजी) ने लोगों के साथ कई बार बातचीत की। ऐसी ही एक बैठक के दौरान उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे एक सिक्ख से उसका नाम पूछा। वे भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों की चर्चा कर रहे थे और भारत में संकीर्ण कट्टरपंथी राजनीति के ज्यादा प्रबल और आक्रामक होने की ओर बात कर रहे थे। उन्होंने उन सज्जन की ओर मुख्यातिव होते हुए कहा कि भारत में 'संघर्ष' इस मुद्दे पर है कि उन्हें सिक्ख होने के नाते, पगड़ी पहनने दी जाएगी या नहीं, या कपड़े पहनने की इजाजत होगी या नहीं या वे एक सिक्ख के रूप में गुरुद्वारे जा पाएंगे या नहीं। लड़ाई इसी बात की है और यह मुद्दा सिर्फ उन तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए प्रासंगिक है।

यह स्पष्ट है कि सिक्खों का उदाहरण दिया जाना केवल एक संयोग था और उनका इशारा भारत में अल्पसंख्यकों को आतंकित करने की व्यापक प्रवृत्ति की ओर था। भाजपा के कुछ सिक्ख और अन्य नेताओं ने आरजी पर हमला किया और हमेशा की तरह उन पर राष्ट्रविरोधी, विभाजक होने सहित कई अन्य आरोप लगाए। इन आरोपनाओं में सांस्कृतिक अधिकारों और समाज के भिन्न-भिन्न तबकों के भिन्न-भिन्न आचरण-व्यवहार के मुद्दे भी जानबूझकर उल्लेख की गईं। इस अवसर का उपयोग भाजपा ने एक बार फिर आरजी पर हमला करने के लिए किया। वे पहले भी भाजपा के निशाने पर रह चुके हैं। आरजी ने एक दृष्टिकोण को अपने सपनों के भारत की अवधारणा को स्पष्ट किया 'हमेशा की तरह भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। वे मुझे चुप करना चाहते हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। मैं हमेशा भारत को परिभाषित करने वाले मूल्यों के पक्ष में बोलता रहूंगा - अनेकता में एकता, समानता और आपसी प्रेम।'

आरजी की भावनाओं से बेखबर केबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख में लिखा कि सिक्खों को सिर्फ 1980 के दशक के दौरान सिक्खों का सामना करना पड़ा। उनका इशारा देश के कई हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में हुए सिक्खों के नरसंहार की ओर था। उन्होंने आरजी के नजरिए को मोहम्मद अली जिन्ना जैसा बताया, जो देश का विभाजन करवाने और उसके बाद ही किसान विरोधी कानूनों का वागिना लिया। उस दौरान हुए व्यापक विरोध में भाग लेने वाले सिक्खों को खालिस्तानी बताया गया था। जहां तक 1984 के नरसंहार का सवाल है, उसके दौरे में तो कभी माफ नहीं किया जा सकता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनमोहन सिंह, जो एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे, ने इसके लिए शमाचायना की थी और हमारी अपेक्षा है कि हिंसा के दौरे में विरुद्ध शीतलश्रीधर जैतवत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1984 के अपराधियों को कई दशकों तक डैटित न किया जाना अनिर्दिष्ट है।

इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं दिया जाता कि आरएसएस-भाजपा इस नरसंहार के दौरान सिक्खों के बचाव के लिए आगे नहीं आए बल्कि, इसके विपरीत, शमसुल इस्लाम, जो भारत में कट्टरपंथ के जोर पकड़ने के विषय के प्रमुख अध्येताओं में से एक हैं। दावा करते हैं कि आरएसएस ने भी इस भयावह नरसंहार में भागीदारी की। इस आपराधिक घिनौनीगत का महत्वपूर्ण प्रमाण आरएसएस के एक प्रमुख विचारक स्वर्गीय नानाजी देसमुख द्वारा 8 नवंबर 1984 को जारी किया गया 'अंतरात्मा की खोज का समय' शीर्षक वाला एक दस्तावेज है (जिसे जार्ज फनाडीज द्वारा संपादित हिंदी पत्रिका प्रतिपक्ष में प्रकाशित किया गया था)। इसमें उन कई अपराधियों के चेहरों पर से नकाब हटाने में मदद मिल सकती है जिन्होंने बेकसूर सिक्खों के कत्ल किए और उनके साथ दुष्कर्म किया, जिनका इंदिरा गांधी की हत्या से कोई लेना-देना नहीं था। इस दस्तावेज से इस बारे में भी जानकारी मिल सकती है कि वे स्वयंसेवक कहां से आए थे, जिन्होंने योजनाबद्ध ढंग से सिक्खों की हत्याएं कीं। नानाजी देसमुख इस दस्तावेज में 1984 में सिक्खों के नरसंहार तो सही ठहराते नजर आते हैं। आरजी की आलोचना से जुड़ा एक मुद्दा और है। कई सिक्ख समूह इसे सिक्ख पहचान को मान्यता देने के स्वागतयोग्य कदम की तरह देख रहे हैं। पूर्व आरएसएस प्रमुख के. सुदर्शन ने एक वक्तव्य में कहा था कि सिक्ख धर्म वास्तव में हिंदू धर्म का एक पंथ (सम्प्रदाय) है और खालसा की स्थापना हिंदुओं की इस्लाम से रक्षा करने के लिए की गई थी। 2019 में मोहन भागवत ने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। इन दोनों वक्तव्यों के विरुद्ध कट्टरी प्रतिक्रिया हुई थी। इन वक्तव्यों से आरएसएस की मानसिकता भी पता चलती है। हम जानते हैं कि सिक्ख मात्र एक पंथ नहीं हैं बल्कि एक धर्म हैं; जिसकी स्थापना गुरु नानक देवजी ने की थी। उन्होंने कहा था न हम हिंदू न हम मुसलमान पंजाब ट्रेड्मार्क और नवा जमाना जैसे प्रमुख पंजाबी समाचारपत्रों ने अपने संपादकीय में भागवत के वक्तव्य की कट्टरी आलोचना की। वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), जो एनडीए का हिस्सा है, और भाजपा का सहयोगी दल रह चुका है, ने भी भागवत के वक्तव्य पर कट्टरी प्रतिक्रिया की।

दुनिया में टूट-फूट का नया दौर

Live broadcast interface for J&K and Haryana elections. Includes logos for BJP, CON, and OTH, and a list of candidates with their respective party symbols and numbers.

आइना टूटे या दिल, पहाड़ टूटे या पेड़ सब अशुभ ही माना जाता है। इसीलिए एक हफ्ते से लगातार टूट रहे शेर बाजार को भी हम अशुभ ही मानकर चल रहे हैं। शेर बाजार का टूटना निवेशकों के लिए शुभ है और न करोबारियों के लिए। सरकार के लिए तो टूटना बिल्कुल शुभ नहीं है। शेर बाजार के टूटने का सीधा-सीधा मतलब निकाला जाता है कि कहीं न कहीं हमारी सरकार टूट रही है। शेर बाजार के टूटने से 3 दिन में ही 22 लाख करोड़ का चूना लग गया निवेशकों को। हिंदुस्तान हो या पाकिस्तान। दुनिया का कोई भी हिस्सा तो इस टूटने से अछूता नहीं है। बीमारी से आम आदमी का जिस्म टूटता। नेताओं की वादा-खिलाफी से मतदाता का दिल टूटता है। दिल नेता ही नहीं प्रेमी-प्रेमिका भी एक-दूसरे का गाढ़े-बगाहे तोड़ते ही रहते हैं। वर्षों ऋतु में फलते टूटते हैं। नदियों के तटबंध टूटते हैं। इसे कहें टूटना कहा जाता है। घर में किसी तस्वीर का फ्रेम हो, या कप-बस्ती टूटी है तो मैं इसे अशुभ मानती थी। मैं तो उन लोगों में से हूँ जो टूट-फूट को शुभ या अशुभ नहीं बल्कि एक नैसर्गिक क्रिया मानते हैं। आपको याद है कि 1947 में जब भारत टूटा था और पाकिस्तान बना था, तब असंख्य लोगों के दिल टूट गए थे। इस टूटने को हमारी सरकार और देश की ही नहीं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी आज भी महसूस करती रहती है। इस टूटने के लिए महात्मा गाँधी को कोसने वालों की कमी नहीं है। आखिर टूटने का दोष किसी पर तो मड़ा जाना है। इसके लिए महात्मा गाँधी से अच्छा कोई दूसरा नाम हो ही नहीं सकता। 1971 में पाकिस्तान को भी टूटना पड़ा, इसके लिए महात्मा गाँधी नहीं बल्कि श्रीमती इंदिरा गाँधी को जिम्मेदार ठहराया गया। भारत ही नहीं दुनिया में तमाम देश टूटते हैं। कोरिया टूटा, जर्मनी टूटा रूस टूटा, चीन टूटा। टूटने वालों की एक लम्बी फेहरिस्त है। भारत में अतीत में हुई टूट-फूट से नाबुलगा लोगों ने अयोग्यता में एक निर्जीव मकबरे को तोड़कर ही अपना गुस्सा ही नहीं निकाला बल्कि शहीदों में अपना नाम लिखा लिया। इस इमारत के टूटने से भी करोड़ों के दिल टूटे थे लेकिन किसी ने इस टूटने की आवाज को

सुना नहीं। पिछले दस साल में देश में जितने राजनीतिक दल और गठबंधन टूटे उनमें पहले कभी नहीं टूटे। राजनीतिक दलों में कांग्रेस न जाने कितनी बार टूटी। समाजवादी दल तो टूटने के लिए ही बना है। सतारूढ़ भाजपा भी बीच-बीच में टूटी रहती है लेकिन जल्द ही समूह ही जाती है। भाजपा ने तो जितने शेर बाजार को टूटने का अपना बगलगीर बनाया उसे किसी न किसी मोड़पर टूटना ही पड़ा। हाल ही में एनसीपी और शिवसेना टूट कर दो खंड हो चुकी है। गठबंधन तो टूटने के लिए ही बना है। जैसे भांवर पड़ने के बाद मोते को नदी में विस्फर्जन कर दिया जाता है उसी तरह गठबंधनों को सरकार बनने के बाद तोड़ दिया जाता है। सिनेमा वाले तो न जाने कितनों का दिल तोड़ते रहते हैं। सिनेमा में हीरो-हीरोईनें आपस में ही अपने दिलों की तोड़फोड़ नहीं करते बल्कि अपने चाहने वालों का दिल भी तोड़ देते हैं। दिल तोड़ने की पुरानी परिपाटी है। आप इसे समाप्त भी कह सकते हैं। हमारे यहां त्रेता में राम ने परशुराम को प्रिय शिव का धनुष तोड़ दिया था। उन्हें इसके पुरस्कार में सीता मिल गयी थी, किन्तु सबके भाग्य में तोड़-फोड़ करने पर इनाम - इकराम नहीं होता। दिलीप कुमार का दिल मधुबाला ने तोड़ा था तो अमिताभ बच्चन का दिल रेखा ने तोड़ दिया था। दिल तोड़ना हमारी फिस्की दुनिया का एक रोग है। इसका दुनिया में कहीं, कोई इलाज

है नहीं। देश-दुनिया में जब भी चुनाव होते हैं और उनके नतीजे आते हैं तो न जाने कितने दिलों को तोड़ देते हैं। किसी का सपना टूटता है, तो किसी का अपना टूट जाता है। टूटने के बाद जोड़ना आसान नहीं है। जुड़ भी जाये तो टूटने के निशान हमेशा टूटने की याद दिलाते रहते हैं। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि कहीं, कोई टूट-फूट हो ही नहीं। बच्चों का दिल उनके खिलौनों में बसता है। कोई खिलौना टूटता है तो बच्चों का नाजुक दिल टूट जाता है। हमारे यहां तो गया जाता है-दिल का खिलौना है टूट गया, कोई लुटेरा आ के लूट गया'। खिलौना जानकर तुम तो मेरा दिल तोड़ जाते हो।' टूटते तो रिश्ते भी हैं, भले ही वे खून के रिश्ते क्यों न हों? आप टूटने से किसी भी चीज को बचा सकते हैं, लेकिन इसका एकमात्र उपाय है सावधानी। सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। टूटना इतफाक भी है और साजिश भी। मिसाल के तौर पर इस बार मुल्क में एक के बाद एक दर्जनों पुल टूट गये। ये पुल भ्रष्टाचार ने तोड़े। महंगाई बढ़ती है तो आम आदमी की कमा टूटी है लेकिन महंगाई बढ़ाने के लिए जिम्मेदार सरकार टूटी कमा पर अच्छे दिलों की मराहम लगा देती है। आम आदमी कुछ देर के लिए कमा टूटने का दर्द भूल जाता है लेकिन जैसे ही दोबारा कसक होती है आम आदमी कमा टूटने वालों की कमा टूट देती है, अपने वोट

से। हमारा जिस्म तो टूटने के लिए ही बना है। बुखार से पूरा जिस्म टूटता है। लेकिन पुलिस आपकी फसलियां भी तोड़ सकती है और दांत भी। टूटने का कोई मुआवजा नहीं मिलता। ज्यादा से ज्यादा आप खाना गा सकते हैं - दिल का खिलौना टूट गया'। दरअसल टूटना या तोड़ना एक ललित कला है। सबको नहीं आती और जिसे आती है वो किसी को सिखाता नहीं है। लोग अपने आप ही सब कुछ सीखते हैं। टूटने वाली चीजों के फेहरिस्त बहुत लम्बी हो सकती है। आप इसे अपनी भर्त्सना से घटा-बढ़ा सकते हैं। अब जैसे मैंने टूटने वाली फेहरिस्त में करार को शामिल नहीं किया था। करार होते ही टूटने के लिए है। करार दो व्यक्तियों के बीच हो सकते हैं, दो दलों के बीच हो सकते हैं, दो या दो से ज्यादा मुल्कों के बीच हो सकते हैं, बल्कि होते आये हैं और टूटते भी आये हैं। कहीं-कहीं तो टूटते हैं और आदमी का चमड भी। शार्दिया भी टूटी है और जीवन की डोर भी यानि जोड़तोड़ का ये सिलसिला अनंत है। इसके ऊपर कोई पूर्ण विराम नहीं लगाया जा सकता। लगाया भी नहीं जाना चाहिये। आज आप जब ये टूट-फूट गाथा पढ़ रहे होंगे तब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की जनता न जाने कितने नेताओं का दिल तोड़ चुकी होगी। वाहर हाल - श्रीशा हो या दिल हो, टूट जाता है' इसलिए जितना मुमकिन है टूटने वाली चीजों को समालकर रखिये।

स्वरचित मौलिक एवं अप्रकाशित कथा आशी प्रतिभा दुबे (स्वतंत्र लेखिका) मध्य प्रदेश, ज्वालियर (भारत)

एक नजर...

महंत अवधबिहारी दास जी ने किया कन्या पूजन



नवरात्रि के पावन पर्व पर बालाजी धाम आक्याजागीर में श्री राम जानकी मंदिर पर महंत श्री अवधबिहारीदास जी महाराज द्वारा कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया। इस अवसर पर गांव के ही गणमान्य नागरिक पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहनलाल धाकड़, पूर्व युवा मोर्चा मंडल मंत्री निखिल मदारिया, विशाल आंजना, संजय बंबोरिया, अजय बंबोरिया, बद्रीलाल बंबोरिया, ज्ञानीविष्णु सेन, कन्हैयालाल चौधरी, चरणलाल पण्डिया सम्मिलित हुये।

लायंस क्लब सनावद द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में निःशुल्क दंत चिकित्सा व ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन हुआ



सनावद- सेवा सप्ताह के अंतिम दिवस लायंस क्लब सनावद सिटी ने समीपस्थ ग्राम टोकसर में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में निःशुल्क दंत चिकित्सा तथा ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. स्वस्तिका पटेल ने स्कूल के विद्यार्थियों को विभिन्न रोगों से बचाव, उपचार और स्वच्छता की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। क्लब के अध्यक्ष पंकज जटाले ने विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य और स्मरण शक्ति के लिए नियमित ध्यान, योग, प्राणायाम और व्यायाम की प्रेरणा दी। इस दौरान क्लब के ज्ञान चैयर प्रभन जाकिर हुसैन अमी, सचिव उर्मिला जैन, लायंस क्लब ऑकारेश्वर के अध्यक्ष मुस्ताक मलिक, कमल पटेल, प्राचार्य शुक्ला ने भी विद्यार्थियों के समक्ष प्रेरक विचार व्यक्त किए। शिविर में बालमुकुंद पटेल ने विद्यार्थियों के ब्लड ग्रुप की जांच की।

दुर्गा चौपाटी पर भव्य भजन संध्या का आयोजन, निकिता श्याम प्रिया के भजनों की प्रस्तुति पर झूमे श्रद्धालु



खेड़ाखुरिया - नवरात्रि के दिन जैसे-जैसे पूरे होते जा रहे हैं, वैैसे-वैसे गरबा पंडालों में शक्ति की भक्ति का उत्साह बढ़ता जा रहा है। आयोजक समिति द्वारा माता पंडालों में विभिन्न आयोजन देर रात तक किए जा रहे हैं। सोमवार को दुर्गा चौपाटी पर माता के दरबार में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भजन गायिका निकिता श्याम प्रिया व राधेश्यामजी ने अपनी मधुर आवाज में भजनों की आकर्षक प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। भजनों की धुन व माता के जयकारों से पांडाल सहित गांव गुंज उठा। भव्य भजन संध्या में गांव सहित आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु भजन सुनने दुर्गा चौपाटी माता के दरबार में पहुंचे। सफल आयोजन पर सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति दुर्गा चौपाटी ने आभार व्यक्त किया।

सीएम राइज स्कूल घटिया में सृजन कार्यक्रम का आयोजन



दिनांक 09 अक्टूबर को सीएम राइज स्कूल घटिया जिला उच्च में अभिभावकों से जुड़ाव एवं उनके साथ विश्वास निर्माण की अनूठी पहल के रूप में सृजन कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप में किया गया। सृजन कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सीख का प्रदर्शन-अभिभावकों को विद्यार्थियों की त्रैमासिक/मासिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के साथ स्टूडेंट प्रोफाइल का अवलोकन कराते हुए बच्चों की उपलब्धियां और प्रगति पर चर्चा की गई। प्राचार्य सुनील नामदेव ने विद्यालय में हुए बदलाव और उपलब्धियों को समुदाय एवं अभिभावकों के साथ साझा किया। सृजन के इस कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी जिसमें मॉडल, प्रोजेक्ट, प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों द्वारा पालकों को दिखाए गए इसके साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रम, कंप्यूटर एवं आईसीटी लेब, कैरियर मार्गदर्शन, सीसीएलई, टीएलएम, एफएनएल एवं पुस्तकालय से जुड़ी गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रार्थमिक, माध्यमिक एवं हाई सेकेंडरी में सर्वाधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थियों, त्रैमासिक परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, खेलों में जिला स्तर एवं सभाग स्तर पर खेलने वाले विद्यार्थियों, मोगली उत्सव में कनिष्ठ वर्ग में जिला स्तर पर विजेता टीम के विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को पुष्प मालाओं से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। खेल शिक्षक के रूप में अपने सेवाएं दे रहे राकेश कछवा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य सुनील नामदेव, उपप्राचार्य श्रीमती रानू परमार, प्रधान अध्यापक गजराज सिंह मकवाना, हीरालाल पवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक बंशीलाल परमार द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती विंदु पटेल उच्च माध्यमिक शिक्षा द्वारा व्यक्त किया गया।

संगीत कला जिंदा जादू है नाटक को देखने अड़ी जनता

सिलवानी नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर मां विजयासेन संगीत कंपनी के कलाकारों के द्वारा बंजरग चौराहा पर धार्मिक नाटक की कलाआयोजित की जा रही है, जो स्थानीय समाज में विशेष रुचि और उत्साह का केंद्र बन गई है। इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक कथाओं और सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करते हुए समाज में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रसारित करना है। धार्मिक नाटकों का अनूठा मंचन-नवरात्रि के इन दिनों में मां विजयासेन संगीत कंपनी द्वारा रामायण, महाभारत और देवी दुर्गा की महिमा पर आधारित नाटकों का मंचन किया जा रहा है। इन नाटकों में नवरात्रि के धार्मिक महत्व और शक्ति की देवी के रूपों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। हर शाम, बंजरग चौराहा पर सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित होते हैं और इन धार्मिक नाटकों का आनंद लेते हैं। नाटकों में कलाकारों द्वारा जीवंत अभिनय और पारंपरिक संगीत का अद्वितीय संगम देखने को मिल रहा है, जिससे दर्शक भावविभोर हो रहे हैं। रामायण के प्रसंगों, महाभारत के पात्रों, और मां दुर्गा की वीर गाथाओं को नाटकीय शैली में प्रस्तुत

किया जा रहा है, जो लोगों को धार्मिक आस्था और समाज को धार्मिक और सांस्कृतिक संदेश-



मूल्यों को ओर प्रेरित कर रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को

धार्मिक और नैतिक शिक्षाओं से अवगत कराना है। नाटकों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जा रहा है कि सत्य, धर्म और न्याय का पालन करना जीवन का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। मां विजयासेन संगीत कंपनी द्वारा प्रस्तुत इन नाटकों में न केवल धार्मिक कहानियाँ दिखाई जा रही हैं, बल्कि इनसे जुड़े नैतिक और सामाजिक संदेशों को भी प्रभावी रूप से दर्शाया जा रहा है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी के जो आज कि आधुनिक दुनिया में फेसबुक वाटरसएफ इंस्टाग्राम कोई अपने दुनिया मान चुकी है उनके लिए ये धार्मिक नाटकों के जरिए पारंपरिक और सांस्कृतिक धरोहर को समझने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास को दूर करने के लिए नाटक कला मंचन एक ऐसा मंच है जो नौजवानों के लिए आज दिशा दे रहा है मूवी मोबाइल पर आईपीएल और भी अन्य युवा स्ट्रे के कार्यक्रम चलते इन सारी कुप्रथाओं से युवाओं को दूर रखने का भी संदेश दिया जा रहा है।

प्रान्त में विजेता बहिनों का स्वागत व नवरात्रि में कन्या पूजन

ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उच्चैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर बंजारी में प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बहनों का संयोजक मंडल द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर तराना में आयोजित हुई थीं जिसमें उच्चैन जिले का प्रतिनिधित्व करती हुई कक्षा पंचमी की बहन देवी का कुंवर पिता राजेंद्र सिंह ने शिशु वर्ग में कथा कथन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा किशोर वर्ग में बहिन सिमरन कुंवर पिता कपिल सिंह ने चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान व उर्मिला कुंवर पिता बलवीर सिंह ने निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया व आचार्य पत्र वाहन में विद्यालय के आचार्य श्री रोहित मंडवालिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय,

संकुल तथा जिले को गौरवान्वित किया। प्रथम स्थान प्राप्त विजेता अब प्रान्त का प्रतिनिधित्व करते हुए रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित प्रोत्साहन राशी भेट करी। नवरात्रि के महापर्व पर विद्यालय द्वारा नन्ही मुन्ही देवी स्वरूप कन्याओं का पॉडैट श्री सुनिल जी राजावत व



क्षेत्रिय प्रतियोगिया में मालवा प्रान्त का प्रतिनिधित्व करेगे इस अवसर पर श्री पं.सुनील जी राजावत द्वारा बहिनों को 501 रुपए की नगद संयोजक मण्डल की उपस्थिति में चरण पूजन कर फल भेट कर मां दुर्गा की उपासना की गई व समस्त विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना

की गई आगामी दुर्गाष्टमी, महानवमी, विजयादशमी पर्व की सभी को बधाई देकर कार्यक्रम मनाया गया। बहिनों द्वारा गरबा नृत्य भी किया गया। सनातन संस्कृति में देवी की उपासना का पर्व नवरात्री में देवी की पूजा व्रत उपवास सर्व सिद्धि फल दायक माना गया है। इस अवसर पर संयोजक मंडल से श्री मोहनसिंह, श्री लालसिंह, श्री हिममतसिंह, श्री टीकमसिंह व विद्यालय परिवार से प्रधानाचार्य श्री दरबार सिंह, लेखापाल श्री पुखराज सिंह, आचार्य श्री रोहित मंडवालिया, आचार्य सुश्री सविता बैरागी, सुश्री रवीना पंवार, सुश्री पुष्पा कुंवर, सुश्री मंजू ठाकुर, सुश्री राधा डोडिया, श्रीमति राधा बैरागी, श्रीमती सुनीता मंडवालिया, सुश्री ज्योति शर्मा, सुश्री आरुषी चतुर्वेदी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय कालिदास समारोह 2024 प्रतियोगिता सम्पन्न



सिलवानी नगर में लोक शिक्षण संचालन बोपाल के तत्वाधान में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रायसेन में दिनांक 09 अक्टूबर 2024 को किया गया। सेठ अमरचंद समैया सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिलवानी से जिला स्तरीय कालिदास समारोह 2024 में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए, प्रतियोगिता में नृत्य नाटिका,श्लोक गायन एवं चित्रांकन विद्यार्थियों द्वारा किया गया।जिसमें सेठ अमरचंद समैया सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिलवानी से कनिष्ठ, वरिष्ठ वर्ग में चित्रकला एवं श्लोक गायन में विद्यार्थी शामिल हुए, यह प्रतियोगिता कालिदास के साहित्य पर आधारित थी सभी विद्यार्थियों ने कालिदास के साहित्य के श्लोकों का बहुत ही मधुर स्वर में गायन किया। चित्रकला में 1 घंटे का समय दिया गया था इसमें बहुत ही सुंदर चित्रों का चित्रांकन किया गया,

चे रहे सफल चित्रांकन वरिष्ठ वर्ग - द्वितीय स्थान कु. बेवो गौर कक्षा 10 वी सीएम राइज सिलवानी श्लोक गायन में द्वितीय स्थान वरिष्ठ वर्ग में यूषे पुरी गोस्वामी कक्षा 9 वी सी एम राइज स्कूल सिलवानी ने प्राप्त किया।

नशा विनाश की जड़ है, इससे सदैव दूर रहे: जती महेंद्र महाराज

श्री आईमाता की छड़ी का भव्य स्वागत, भक्तों ने लिया आशीर्वाद

इंदौर संभाग ब्यूरो- नशा विनाश की जड़ है इससे सदैव दूर रहे। नशे से केवल शरीर का ही नहीं अपितु घर,परिवार, और सामाजिक सम्मान भी समाप्त होता है। पवित्र आई माता मंदिर में व्यक्ति का नशा मुक्त प्रवेश पीढियों से चल रहा है जो वंदनीय है। घर भी एक मंदिर है नशा मुक्त व्यक्ति का प्रवेश घर में भी होना चाहिए। आई माता की पूजा अर्चना करते रहे माता सदैव भक्तों को आशीर्वाद देती है। यह बात ग्राम पिपलूद में आयोजित धर्म सभा में आई पंथ मध्य प्रदेश के जती श्री महेंद्र जी महाराज ने अपने आशीर्वाचन में कही। उद्दी से 6 किलोमीटर दूर पिपलूद की दुर्गा पहाड़ी क्षेत्र में आईदेवी का मंदिर स्थित है। नवरात्रि में देवीय शक्ति की पूजा अर्चना हेतु राजस्थान बिलाड़ा से आई माताजी की छड़ी लेकर आईपंथ मध्य प्रदेश के जति श्री महेंद्रजी महाराज पिपलूद आई देवी मन्दिर पहुंचे। पिपलूद सरपंच प्रतिनिधि दिनेश मंडलोई ने बताया कि दोपहर 2.30 जती बाबा महेंद्र महाराज के साथ विकास अधिकारी



मोहन बर्मा कोणदा, तथा अशोक काग सुसारी, ग्राम पिपलूद पहुंचे। दोपहर 3 बजे से पैदल यात्रा द्वारा लगभग 4 किलोमीटर दूर ऊंची पहाड़ी पर स्थित आई देवी मन्दिर में पहुंचकर देवी मां की पूजा अर्चना की गई।



श्याम मंडलोई एवम् प्रताप महाराज ने बताया कि प्रति वर्ष श्री आईदेवी मंदिर में नवरात्रि पर्व पर, प्रतिदिन विशेष पूजा अर्चना की जाती है, नशीले पदार्थ तंबाकू, बीड़ी सिगरेट इत्यादि मंदिर से 2 किलोमीटर दूर भांगड़ा बाबा

देव स्थान पर छोड़कर ही श्रद्धालु मंदिर तक पहुंचते है। गटला मंडलोई, केशला भाई, हेमता,मुकेश भाई,कालू भाई,काशीराम, शीवर सिंह,भंगा भाई आदि पदयात्रा में शामिल होकर जल व्यवस्था में सहयोग दिया। बिलाड़ा धाम की ओर से जती बाबा ने आई देवी मंदिर में ग्राम वासियों का शाल श्री फल भेट कर अभिनंदन किया गया। आई देवी मंदिर पूजा अर्चना में छछुका पूर्व सरपंच प्रताप भाई, तुलसीराम, पुजारा बाबा, जुमल भाई, चंदर पटेल सहित ग्राम वासियों का सरहनीय सहयोग प्राप्त होता है। छड़ी का हुआ स्वागत- पिपलूद यात्रा के दौरान सर्वप्रथम उद्दी में डॉ दुर्गाेश वर्मा ने सपरिवार, तथा आनंद बर्मा ने आईमाता की छड़ी का स्वागत एवम् पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्राम पिपलूद में सरपंच रेहदीया बाई तथा ग्राम वासियों ने स्वागत कर पूजन किया तथा छड़ी दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया,तत्पश्चात धर्मसभा आयोजित गई।

रीवा चल रही नवरात्रों के बीच थाना प्रभारी मनगवां वर्षा सोनकर ने कसी कमर



चल रही नवरात्र और आगामी त्योहारों को देखते हुए थाना प्रभारी मनगवां वर्षा सोनकर फिल्ड पर हुई सक्रिय सहर के भीड़ भाड़ वाली जगह जैसे शराब की दुकान सहित कई स्थानों पर की कार्यवाही शराब की दुकान पर शराब पी रहे सुरा प्रेमियों में मची भगदड़ गाडी छोड़ भागे शराबियों की गाडी ट्रेक्टर में लोडकर पहुंची थाने इस कार्यवाही में शराब प्रेमियों के साथ साथ नशा कारोबारियों में भी खाब का माहोल निर्मित हो गया है।

मनगवां और शराबियों में मची भगदड़

कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल में साइकिल वितरण का आयोजन हुआ क्षेत्रीय विधायक, प्राचार्य व वरिष्ठ नेता गण मौजूद रहे

सनावद-भारतीय संस्कृति में कन्याओं को देवी का दर्जा दिया जाता है और कन्याओं का पूजन किया जाता है। प्रदेश की भाजपा सरकार बालिकाओं की बेहतर शिक्षा और सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। ये बातें विधायक सचिन बिरला ने बुधवार को शासकीय कन्या शाला में साइकिल वितरण समारोह में कही। विधायक और जनप्रतिनिधियों ने 61 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रदेश की डॉ.मोहन यादव की सरकार बालिकाओं की बेहतर शिक्षा के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें,स्कूल यूनिफॉर्म,छात्रवृत्ति आदि प्रदान कर रही है। दो किमी दूर ग्रामों से शहरों में पढ़ने हेतु आने वाली छात्राओं को साइकिल प्रदान की जा रही है। विधायक ने कहा कि छात्राओं को दी जा रही साइकिलें गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। यदि किसी छात्रा को साइकिल में कोई खराबी हो तो उसे बदला जाएगा।

विधायक ने कहा कि स्कूली शिक्षा का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। छात्राएँ समय का सदुपयोग करें और



भविष्य का लक्ष्य निश्चित कर अध्ययन पर अपना ध्यान केंद्रित करें। स्कूली शिक्षा भविष्य की

आधारशिला होती है। विधायक ने कहा कि स्कूल की सभी पात्र छात्राओं को साइकिलें प्रदान की जाएगी।

साइकिल मिलने पर छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि साइकिल से समय पर स्कूल आने में मदद

मिलेगी। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि इंद्र बिरला ने कहा कि बेटीयों को बेहतर शिक्षा हेतु हरसंभव मदद दी जाएगी। भाजपा नेता कमल बिरला ने कहा कि साइकिल मिलने से ग्रामों से आने वाली छात्राओं को स्कूल आने में बड़ी सहूलियत मिलेगी। अधिनी चौधरी ने भी छात्राओं के समक्ष प्रेरक विचार व्यक्त किए।इस दौरान विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण पटेल,नपा नेता प्रतिपक्ष गजेंद्र उपाध्याय,दिनेश शर्मा,अनिता बंसल,धनलक्ष्मी शर्मा,रश्मि ठाकुर,पार्षद गंगाभारती शर्मा,अनिल बारे,पवन अश्ररे,राजेश अंजने,बंटी राठौड़,मनोज जैन,समाजसेवी मुस्ताक मलिक,मोहित यादव,संजय राठौड़,दुर्गाेश परिवार, सुदीश वर्मा,आदित्य पंचोलिया,सरोज इंगला,कलीम पहलवान,हरमिंदरसिंह कपूर,अमजद पटेल, शिक्षक गण और बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित थीं। अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्य सैयद वकार अली ने किया।

वरदान है मां का दूध



दुनियाभर में मां के दूध को बच्चे के लिए सबसे बढ़िया माना गया है। यह शिशु के लिए कुदरती आहार है, जिसका दूसरा कोई विकल्प नहीं है। नवजात बच्चे के लिए यह पोषण का सबसे बढ़िया स्रोत है। यह बच्चे को कई बीमारियों व इन्फेक्शंस से बचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मां जब बच्चे को दूध पिलाती है, तब उन दोनों में भावनात्मक संबंध और मजबूत होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना फायदेमंद रहता है।

जिन बच्चों को मां का दूध नहीं मिल पाता, उनमें ब्रेस्ट फीड लेने वालों के मुकाबले मौत का खतरा 2-7 गुना ज्यादा रहता है या गंभीर बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ये है फ़ायदा-

ब्रेस्ट फीडिंग शिशु के लिए संरक्षण और संवर्धन का काम करती है। नए जन्मे बच्चे में रोग प्रतिरोधक शक्ति नहीं होती। मां के दूध से यह शक्ति

शिशु को हासिल होती है। मां के दूध में लैक्टोफोर्मिन नामक तत्व होता है, जो बच्चे की आंत में लौह तत्व (आयरन) को बांध लेता है। आयरन के कारण शिशु की आंत में रोगाणु पनप नहीं पाते। मां के दूध से आप साधारण जीवाणु बच्चे की आंत में पनपते हैं और रोगाणुओं से प्रतिस्पर्धा कर उन्हें पनपने नहीं देते। वातावरण से मां की आंत में पहुंचे रोगाणु, आंत में स्थित विशेष भाग के संपर्क में आते हैं, जो उन रोगाणुविशेष के खिलाफ प्रतिरोधक तत्व बनाते हैं। ये तत्व एक विशेष नलिका थोरासिक डट से सीधे मां के स्तन तक पहुंचते हैं और दूध से बच्चे के पेट में। इस

तरह मां का दूध पीकर बच्चा हमेशा स्वस्थ रहता है।

मां की तंदुरुस्ती का राज-

एक अध्ययन के अनुसार जो महिला अपने बच्चे को दूध पिलाती है, उसके शरीर में 400-600 कैलोरी अतिरिक्त खर्च होती है। इससे प्रेगनेंसी के दौरान शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त फैट कम हो जाती है। यूटस भी अपने वास्तविक आकार में आ जाता है। डिलीवरी के बाद होने वाली लीडिंग भी कम होती है। ब्रेस्ट व यूटस फैसल होने का खतरा भी कम हो जाता है।

ये है खतरा-

जिन बच्चों को बचपन में पर्याप्त रूप से मां का दूध पीने को नहीं मिलता, उनमें टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना अधिक होती है। उनमें बुद्धि विकास अपेक्षाकृत कम होता है। अगर बच्चा समय पूर्व जन्मा (प्रीमैच्योर) हो, तो उसे बड़ी आंत का घातक रोग, नेक्रोटाइजिंग

एंटरोकोलाइटिस हो सकता है। अगर गाय का दूध पीतल के बर्तन में उबालकर दिया गया हो, तो शिशु को लीवर का रोग 'इंडियन चाइल्डहुड सिरोसिस' हो सकता है।

बक पिलाएं दूध-

जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का दूध पिलाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि नॉर्मल डिलीवरी हो, तो आधे घंटे बाद और यदि सिजेरियन हो, तो दो घंटे बाद बच्चे को फीड दी जानी चाहिए।



समय कोलेस्ट्रॉम की एक-एक बूंद आंख में डाल दें, तो कुछ बैटीरिया आंखों में होते ही नहीं। लेकिन ऐसा सिर्फ एक ही बार करें।

जब भी बच्चा रोता है, तब कुछ मांएं तुरंत उन्हें दूध पिलाना शुरू कर देती हैं, पर बच्चे को दो घंटे के बाद ही दूध पिलाना चाहिए। बच्चे को दिनभर में ग्यारह-बार दूध पिलाना चाहिए। कुछ बच्चे धीरे-धीरे दूध पीते हैं, तो कुछ जल्दी ही पी लेते हैं, इसलिए बच्चे को तब तक दूध पिलाएं, जब क कि उसका पेट भर न जाए। कई बार मांएं जल्दी दूध छुड़वा लेती हैं, पर तब तक बच्चे का पेट नहीं भरा होता।

फीड ही है प्यास है-

बच्चे को चार महीने की उम्र तक मां के दूध के अलावा कुछ भी देने की जरूरत नहीं होती। जो बच्चे केवल मदर फीड लेते हैं, बोटल का दूध नहीं पीते, उन्हें इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। उन्हें मां के दूध से ही पूरा पोषण मिल जाता है।

मिथ-

कई लोगों में यह धारणा है कि पहले दो-तीन दिन मां को जो दूध आता है, वह बच्चे को नहीं पिलाना चाहिए। यह धारणा गलत है। इस गाढ़े व पीले रंग के दूध को कोलेस्ट्रॉम कहते हैं। यह बच्चे के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इसमें प्रोटींस, एनर्जी और प्रोटेक्टिव एंटी बॉडिज होते हैं, जो बच्चे को कई बीमारियों से बचाते हैं। जन्म के

जब बात हो डिनर की



भागदौड़ भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दंपति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे

बिकने वाला खाना खाने से बचें। डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हेल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- ▶ सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशंस फूड आइटम्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैस हुए मसल्स को रिलैस होने में मदद करती है।
- ▶ डिनर हमेशा लाइट लें, हेवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कफर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- ▶ क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेबुखे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- ▶ तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बन व इन्फ्लेजेशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेड और उबला हुआ खाना खाएं।
- ▶ चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी जरूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम की डिवैलपमेंट सही तरीके से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज्यादा कैलोरीज कंज्यूम कर लेते हैं। इससे वजन बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फ्रीसदी से ज्यादा कैलोरीज फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैचुरेटेड फैट्स: सैचुरेटेड फैट्स फेटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मखन, मार्जरीन, चीज, क्रोम व आईस्क्रीम में पाया जाता है। कुछ सैचुरेटेड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल। स्क्रिड मिल्क (मलाई के वगैर दूध) और लो फैट चीजों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैचुरेटेड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैचुरेटेड फैट्स: अनसैचुरेटेड फैट्स आमतौर पर रूम टेम्परेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैंजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैचुरेटेड और मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिजीज के खतरे में बढ़ोतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज्यादा सेवन करने से वजन बढ़ सकता है। लो-फैट फूड्स जैसे सब्जियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैचुरेटेड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

फैट भी है जरूरी



कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक जरूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैचुरेटेड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिंक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैचुरेटेड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं। ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसेस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनके सेवन से बचें।

क्यों है जरूरी?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत जरूरी

हैं। 20 से 30 फ्रीसदी कैलोरीज हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- ▶ भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, ई और के को अर्साव करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ▶ ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत जरूरी हैं।
- ▶ फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज मिलती हैं।

▶ हैल्दी स्किन के लिए फैट्स जरूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रेगुलेट करने में मदद करती है।

▶ हैल्दी झिल्ली के बायर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स

झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

- ▶ हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स जरूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रेगुलेट करते हैं। ये सैस हार्मोन की प्रॉडक्शन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज्यादा पतली होती हैं, उनमें हृद्युबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- ▶ एनर्जी का न्यूट्रिशंस जरिया होने के अलावा ये भोजन को लेवर और टेस्ट देते हैं।

शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटेक्टिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉस

नट्स, ऑयल्स, मखन और मीट में फैट काफ़ी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफ़ी ज्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।

मंडल के सभी स्टेशन पर प्रतिदिन नयी नयी थीम के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है : दीपक कुमार

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छ आहार दिवस का हुआ आयोजन

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

चाहिए। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि मंडल के सभी स्टेशन पर प्रतिदिन नयी नयी थीम के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसकी आज की थीम स्वच्छ आहार रही।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद व सहयोगी नवाकर संस्था आदर्श रामसेनही जी जन चेतना शिक्षा एवं विकास समिति अंबाह द्वारा नशा मुक्ति व इसके दुष्प्रभाव को लेकर किया जनजागरणा, पोसा/अंबाहा। मंगलवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड्डियाह अंबाह परिसर में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नशा मुक्त दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर सप्ताह 2024 तक नशा मुक्ति का कार्यक्रम चलता रहेगा जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों में नशा मुक्ति अभियान से जागृति लाने का कार्य करेगी और उन्हें प्रेरित करेगी इस कार्यक्रम में अन्य ग्राम पंचायत में भी इसी तरह का कार्यक्रम चलाते रहेगे निम्न पंचायत जिसमें दोहरा, चांद का पूरा, कमती, तुतवास, सिक्कोडी, बाबरी पूरा, लालू बसाई, गोपी, खड्डियाह, खड्डिया बेहड़, बरेरआ आदि में नशा से बचे और नशा मुक्त कैसे हो प्रयास किया गया संस्था के द्वारा ग्राम वासियों के बीच में

जाकर नशा से लोगों के घर परिवार कैसे बर्बाद हो जाता है और नशा मुक्त होने के लिए क्या क्या कर सकते हैं जैसे नुकड़ नाटक, प्रचार प्रसार, कार्य शालाय, सपथ आदि कार्यक्रम किए गए उपस्थित स्कूल के छात्र छात्राएं और प्रस्कूटन समिति के कार्य करता कुलदीप शर्मा और मुकेश खरी द्वाइ 2 रमेश तोमर भीमसेन तोमर और कुलदीप शर्मा के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया इसी क्रम में आज के कार्य क्रम के अध्यक्ष सह केके गौतम जी नशा से स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव पड़ता है इसके बारे में विस्तार से बताया इसी क्रम में सह खत्री, सह यादव जी, सह दंडेलिया जी, सह श्रीवास्तव के, मैडम नीलम राजपूत, मैडम ममता, सह वीरेंद्र सिकरवार जी आदि सभी ने लोगों को बताया कि अगर नशा का उपयोग नहीं रोकना गया तो इसका परिणाम बहुत बुरा होगा इसके बारे में विस्तार से जन करी दी मैटर्स सुशील खरी द्वारा बच्चों को बताया गया अप लोग भी अपने स्तर से प्रयास करे अंत में संस्था संयोजक श्री सुरेंद्र सिंह खरी जी ने सभी लोगों को सपथ ग्रहण दिलाया और सभी को संहदिल से सम्मान के साथ धन्यवाद देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया



भिण्ड। उत्तर मध्य रेलवे, झांसी मंडल में चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 09 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ आहार दिवस मनाया गया। इसके तहत वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी, गवालियर, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट धाम कर्वा, उई, खजुराहो, भिण्ड, मुरैना, टीकमगढ़ आदि रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध खानपान इकाइयों, पेंटी कार, रिफरेशमेंट रूम आदि पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान खाना पकाने वाले बर्तनों की सफाई आदि पर विशेष ध्यान दिया गया टूट स्टाल्स के आस पास स्वच्छता व्याप्त रहे इसके लिए खानपान स्टाल संचालकों को जागरूक किया गया टूट वेंडर आदि की पर्सनल हायजीन भी जांच की गयी और बेहतरी हेतु निर्देशित किया गया टूट सभी खाद्य इकाइयों पर तीनों टाइम गीला / सूखा पोछा करने हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान टूट वेंडर / स्टाल/पेंटी कार संचालकों को वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में भी समझाया गया। उनसे कहा गया कि कूड़े को फेंकने से पहले उसे पृथक कर लें। उन्हें समझाया गया कि गीले कूड़े से खाद बनाई जा सकती है। सूखे कूड़े का निस्तारण भी सही प्रक्रिया से किया जाना



करैरा पुलिस ने 2 वर्ष पुराने स्थाई गिरफ्तारी वारंटी को किया गिरफ्तार

पत्रकार सतीश परिहार करैरा-पुलिस थाना करैरा ने एक स्थाई गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया है, जिसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी भी जारी था इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी करैरा शिवनारायण मुकाती के निर्देशन में किया गया। थाना करैरा की टीम ने टीआई विनोद सिंह छावड़ी के नेतृत्व में 2 वर्ष पुराने एक एक्ससीडेंट के मामले में धारा 279 और 337 दृष्ट के अंतर्गत स्थाई गिरफ्तारी वारंटी कदम सिंह यादव (32 वर्ष) को उसके गांव काली पहाड़ी से गिरफ्तार किया उसके खिलाफ 2 वर्ष पुराना चेक बाउंस का मामला भी दर्ज था, जिसमें धारा 138 के तहत गिरफ्तारी वारंटी था। गिरफ्तारी के बाद कदम सिंह यादव को करैरा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे उप जेल करैरा भेज दिया गया गिरफ्तारी टीम में एसआई बृजराज सिंह यादव, एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक मोहन सिंह बघेल, आरक्षक संदीप सिंह चौहान, गजेंद्र शर्मा, विकास पाठक, सतेन्द्र सिंह सिकरवार और गोविंद रावत सहित नगर रक्षा समिति के सदस्य मनमोहन सिंह तोमर शामिल रहे। इस सफलता के साथ पुलिस ने अत्याचारित तत्वों के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करने का संकेत दिया है।

रेलवे स्टेशन जैतवारा में अभिमन्यु अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना



पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे हैं हू अभिमन्यु अभियान के तहत समाज में जागरूकता लाने के लिए चलाया जा रहा है, रेलवे स्टेशन जैतवारा में अभिमन्यु अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस आयोजन में थाना प्रभारी जैतवारा विजय सिंह पुलिस स्टायफ एवं रेलवे स्टॉफ काफी संख्या में यात्री उपस्थित रहे 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों को खासतौर पर युवा वर्ग को जागरूक किए जाने का प्रयास कर समाज के प्रति उनके दायित्वों से अवगत कराना व अपराध के प्रति जागरूक करना एवं समाज में महिलाओं एवं बालकों व बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर नियंत्रण एवं लड़के लड़कियों को समान अवसर प्रदान कर, समाज के हर रत्न पर ब्राम लिंगभेद को समाप्त करने एवं आज के पुरुष को सभ्य समाज के निर्माण के लिए रुढ़िवादी धारणाओं एवं पूर्वाग्रहों के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए महिलाओं के विकास व सह-अस्तित्व का सहभागी बनाने की समझाईस दी गई।

नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत मद्य निषेध सप्ताह का हुआ समापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे
भिण्ड। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 02 से 08 अक्टूबर 2024 मद्य निषेध सप्ताह का समापन कार्यक्रम जिला कलेक्टर सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें जिले में विगत आठ दिवस में आयोजित नशाबंदी प्रतियोगता में भाग लेने वाले छात्रों को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले में कार्यस्त मास्टर ट्रेनर को भी उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग हेतु सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन जनअभियान परिषद से जिला समन्वयक शिव प्रताप सिंह भदौरिया एवं उत्कृष्ट विद्यालय भिंड से श्री धीरज गुर्जर द्वारा सभी मास्टर ट्रेनर एवं प्रतिभागियों की जानकारी एवं उनके द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्य सम्पादन में भागीदारी एवं जागरूकता को कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत किया गया, इस कार्यक्रम में उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिनेश शाक्य एवं नशाबंदी विभागीय मान्यता प्राप्त संस्था चौधरी रूपनारायण समाज कल्याण एवं सुधार समिति के सचिव श्री सुनील दुवे के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मनोश सिंह कुशवाह प्रशासनिक अधिकारी, विकास सिंह, सोमेश सिंह, पंचम सिंह, बृजराज गुर्जर, नरेश तोमर, प्रमुख कलाकार सुबोध श्रीवास्तव, गंगाराम, राघवेंद्र आदि उपस्थित हुए।

बस चालको से रंगदारी दिखाकर पैसे वसूलने वाले आरोपी को 12 घण्टे के अन्दर किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद बस चालकों से रंगदारी कर रूप वसूलने वाले आरोपी आकाश पुत्र नागेन्द्र शर्मा 22 वर्ष निवासी बिरखडी के गोहद चौराहा पुलिस ने 12 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया जानकारी के

कि दिनांक 06.10.24 को मेरी बस को रोककर आरोपी आकाश पुत्र नागेन्द्र शर्मा 22 वर्ष निवासी बिरखडी ने रंगदारी दिखाकर पैसे माँगे व पैसे न देने पर गाली गलौज कर मारपीट कर दी पुलिस ने धारा 115(2),

एवं सौरभ कुमार, एसडीओपी गोहद के निर्देशन में चलाये जा रहे बस चालको व कंडक्टरों को डरा धमकाकर रंगदारी दिखाए जाने के विरुद्ध अभियान को लेकर आज रिपोर्ट के महज 12 घंटे में ही आरोपी को मुखबिर की सूचना पर भिण्ड गवालियर हाईवे ग्राम बिरखडी बस स्टैंड के पास से बस चालको से रंगदारी कर अवैध रूप से पैसे माँगने वाले आरोपी को फोंस की मदद से गिरफ्तार किया। गया व आरोपी द्वारा बस कंडक्टर से अवैध रूप से वसूल गये रूपयों को बरामद कर जप्त किये गये बाद आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जहाँ से न्यायालय गोहद के आदेश से आरोपी को उप जेल गोहद में विरुद्ध किया गया। पुलिस द्वारा उक्त आरोपी आपराधिक किस्म का बताया गया है जिसके विरुद्ध थाना पर पूर्व से भी कई अपराध पंजीबद्ध है, उक्त आरोपी को पुलिस के व्दारा मात्र 12 घण्टों के अन्दर गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में निरी0 बृजेन्द्र सिंह सेगर, सजिन0 बाबू सिंह जादीन, सजिन0 बनवारीलाल, प्रआर0 शिवराम सिंह, प्रआर0 रामनिवास दीक्षित, आर0 रामकुमार सिंह तोमर, आर0 भानू सिंह तोमर, पंकज सिंह जादीन, बृजेश शर्मा, आर0 आकाश शर्मा, आर0 सर्वेश तोमर, आर0 मान सिंह सिकरवार की सराहनीय भूमिका रही है।



अनुसार दिनांक 09.10.24 को फरियादी सुमित सिंह तोमर पुत्र अशोक सिंह तोमर उम्र 23 साल निवासी ग्राम छीमका थाना गोहद चौराहा ने थाने पर आकर पुलिस को बताया 296,308(2),3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ0 असित यादव के मार्गदर्शन एवं संजीव कुमार पाठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक



फरियादी राजीव कुशवाह ने मौ तहसीलदार पर लगाए गंभीर आरोप

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। मौ तहसीलदार माला शर्मा पर फरियादी राजीव कुशवाह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस वार्ता के माध्यम से फरियादी राजीव कुशवाह एवं उनके अभिभाषक धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने तहसीलदार पर आरोप लगाते हुए बताया कि तहसीलदार माला शर्मा राजीव के हिस्से की जमीन का नामांतरण, अवैध रजिस्ट्री के आधार पर 1 दिन में ही कर देती हैं। राजीव कुशवाह के अभिभाषक धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने साथ में उपस्थित होकर मौ तहसीलदार माला शर्मा पर आरोप लगाते हुए बताया कि मेरे पक्षकार राजीव कुशवाह का खेरिया जह्नु सर्वे नंबर 290 रकबा 0.980 हेक्टर में से रकबा 0.39 हेक्टर में धर्म कांटा कार्यालय बाउंड्री वॉल के साथ बना हुआ है। उक्त जमीन के खसरा में दर्ज सहभूमि स्वामी मोहन सिंह यादव के द्वारा उक्त धर्मकांटा वाली जमीन की रजिस्ट्री अपने भाई संजय यादव के हक में छुनपूर्वक कर ली थी, जिसको लेकर मेरे पत्रकार राजीव कुशवाह ने एसडीएम कार्यालय से स्थगन आदेश कराकर नामांतरण एवं खसरा में अमल करने की रोक लगाई थी। उक्त कार्यवाहियों की जानकारी होने पर इसी धर्मकांटे वाली जमीन की रजिस्ट्री फिर से 1 मार्च 2024 को हमीर सिंह पुत्र बटीराम सिंह के हक में कर दी गई। दो व तीन मार्च को शनिवार-रविवार का अवकाश था। 4,5,6 मार्च कार्य दिवस के थे, 6 मार्च को चालान कटाकर नामांतरण की कार्रवाई ऑनलाइन शुरू कराकर 7 मार्च को तहसीलदार माला शर्मा से आदेश पारित कर लिया। मेरे पक्षकार राजीव के द्वारा जब नामांतरण के प्रकरण की नकल ली गई तो उसमें कई कूट रचित दस्तावेज सामने आए जिसमें रजिस्ट्री की तारीख 1 मार्च थी तथा रजिस्ट्री के प्रिंट आउट निकलने की तारीख 2 मार्च थी चालान काटने की तारीख 6 मार्च और आरसीएमएस में फाइल दर्ज होने की तारीख 6 मार्च थी, प्रथम ऑर्डरसीट लिखने की तारीख कोई अंकित नहीं है और उसमें अनावेदक को सूचनापत्र जारी करने, इतिहास प्रकाशन करने और पटवारी हल्का से रिपोर्ट लेने के लिए 7 मार्च नियत की गई और 7 मार्च को ही आदेश पारित हो गया। जिसमें दिनांक 29 फरवरी 2024 की इतिहास संलग्न किया गया तथा पटवारी मोजा की रिपोर्ट व आवेदन हमीर सिंह का चिना तारीख का आवेदन प्राप्त हुआ है। इन दस्तावेजों के आधार पर अभिभाषक धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने अपने पक्षकार की ओर से आरोप लगाते हुए कहा कि दस्तावेजों से यह प्रतीत होता है कि मौ तहसीलदार माला शर्मा के द्वारा कूट रचित दस्तावेज तैयार कर एक दिन में जो नामांतरण किया है। इससे मेरे पक्षकार को आर्थिक एवं मानसिक छति पहुंची है। उन्होंने प्रेस वार्ता के माध्यम से मांग करते हुए कहा कि नामांतरण की कार्रवाई तत्काल निरस्त कर दोषी अधिकारी माला शर्मा एवं उनके बाबू के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जबकि, गोहद, मौ तहसील में हजारों की तादात में नामांतरण के मामलों की फाइलें आज भी धूल खा रही हैं। वहीं तहसीलदार माला शर्मा ने बताया कि मुझे जबरदस्ती साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। जिस दिन रजिस्ट्री की जाती है उसी दिन प्रिंट निकालकर कार्यवाही शुरू कर दी जाती है और सात दिन में निराकरण किया जा सकता है। उस समय राजस्व अभियान चलाया जा रहा था। यह नामांतरण भी उसी के तहत हुआ है।

गुजराती गीतों की मधुर धुनों पर धीरके युवक-युवतियां मां दुर्गा की आरचना के साथ परवान पर रहा गरबा महोत्सव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दौराबाद-सीरीही समाज ट्रस्ट करननाथ आर्गनाटा वंदे में नवरात्रि को लेकर मातारानी का अलग-अलग श्रृंगार कर दृश्या संजाया जा रहा है। शाग को गह्वारती के पश्चात डिजे की धुन पर गुजराती व राजस्थानी गीतों पर गरबा रास प्रारंभ हुआ। जिसमें बच्चों व महिलाओं ने तय डेज कोडी की वेशभूषा में सज-धन कर भाग लिया। सभी ने पूर्ण उमंग व उत्साह साथ डीजे पर बजाती गहवा धुनों पर गरबा नृत्य किया। वहीं डिजे डिजे वंदे में लोगों की तादात भी बढ़ने लगी युवक-युवतियों द्वारा गरबा पाण्डल में अलग-अलग धरे बनाकर डडिया रास का आरंभ किया। इसके बाद महिलाओं बालिकाओं के लिए अलग-अलग कई राउंड हुए जिसमें फेंसी व पारंपरिक परिधानों में सजे लोग गुजराती, हिन्दी शिगिस गीतों पर डडिया नृत्य में पूर्ण मग्न हो गए इस अवसर पर संस्था के कार्यकारिणी महिला मंडल नवरयुक्त मंडल मंडल आदि मौजूद रहे।



खाद्य सामग्री विक्रेता प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा, श्रम एवं नापतौल विभाग की संयुक्त कार्यवाही

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आमजन को मिलावट रहित गुणवत्तायुक्त एवं सही माप की खाद्य सामग्री उपलब्ध करने के मकसद से कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशाुसार दशहरा व दीपावली के त्यौहार को देखते हुए एसडीएम श्री भास्कर गावले के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा, श्रम एवं नापतौल विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 09 अक्टूबर को खरगोन के खाद्य प्रतिष्ठानों छापामार कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में नायब तहसीलदार श्री महेन्द्र सिंह दांगी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एच.एल. आवास्य, एवं श्री आर. आर. सोलंकी तथा श्रम एवं नापतौल विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।
पनीर, मावा, हलवा एवं सोयाबीन तेल के लिए नमूने-निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने बालाजी मावा भंडर श्रीकृष्ण टाकीज खरगोन से खाद्य पदार्थ पनीर, मावा एवं हलवा का नमूना, विवेक

इन्टरपाइजेस, खंडवा रोड खरगोन से रिफाईंड सोयाबीन तेल के 03 के नमूने संग्रहित किये गये हैं। खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला को भेजे गये हैं। जांच उपरांत संबंधित खाद्य विक्रेताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।
न्यूनतम वेतन एवं बाल श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर मांगा गया स्पष्टीकरण-इसी तरह श्रम

विभाग के निरीक्षक सुश्री स्वाति कनेल द्वारा बालाजी मावा भण्डर श्री कृष्ण टाकीज चौराहा एवं विवेक इंटरपाइजेस खंडवा रोड खरगोन में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में न्यूनतम वेतन एवं बाल श्रम अधिनियम का उल्लंघन पाये जाने पर उन्हें 07 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

12 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महेश्वर में आगमन प्रस्तावित

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 12 अक्टूबर को खरगोन जिले के महेश्वर में आगमन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महेश्वर किले में देवी अहिल्या की 300वीं जयंती पर राजनादी पर पूषा अर्पित करेंगे। इसके पश्चात वे त्रिज्यादरामी पर व शत्रु पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे और आत्मसा को संबोधित करेंगे। इसके पश्चात वे गौजादरामी में गौ पूजन करेंगे। इस अवसर पर वे खरगोन जिले के करोड़ों टायरो के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं मृगिपूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के महेश्वर प्रवास को लेकर कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार, खरगोन में आतिशबाजी कर मिठाई बांटी



खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे
खरगोन। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने व निरन्तर तीसरी बार सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त होने पर कार्यकर्ता व पदाधिकारियों में हर्ष व्याप्त है। मंगलवार को देर रात्रि खरगोन जिला कार्यालय पर भव्य आतिशबाजी कर मिठाई बांटी गई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यालय से कार्यकर्ताओं को दिए संबोधन का लाइव प्रसारण के माध्यम से श्रवण किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसरा ने बताया हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले स्पष्ट जनवदेश व जम्मु-कश्मीर में पार्टी को सर्वाधिक वोट प्रतिशत मिलने पर जिला कार्यालय पर भव्य आतिशबाजी कर मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परसराम चौहान, जिला कार्यालय मंत्री मोहन राठौड़, नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक डॉ. के.आर. शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष रणजीतसिंह घुघुंशी, चंद्रशेखर भालसे, अभिषाष अने, अंकित जायसवाल, रंजीत कुशवाह, राजू मकवाना आदि उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष श्री राठौर ने हरियाणा में भाजपा की जीत पर हर्ष जताते हुए कहा हरियाणा के इतिहास में पहली बार कोई पार्टी निरंतर तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। यह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम व भाजपा सरकार की रीति-नीति व कार्यों का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार समूचे राष्ट्र का विकास हो रहा है और भारत तेजी से विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे में मतदाताओं का विश्वास मोदी जी के संकल्प को और मजबूत करता है। कश्मीर में भाजपा को सर्वाधिक बहुमत प्रतिशत मिलने पर श्री राठौर ने कहा जम्मु रीजन सहित कश्मीर घाटी में भाजपा की रीति-नीति को आमजन ने स्वीकार किया है। भले ही भाजपा को जनवदेश नहीं मिला हो लेकिन वोट प्रतिशत के मामले में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यह आतंकवाद ग्रस्त केंद्र शापित प्रदेश में कार्यकर्ता के त्याग, बलिदान व खून-पसीना बहाने का परिणाम है। भविष्य में भाजपा जम्मु-कश्मीर में भी अपना परचम फहराएगी

वित्त मंत्री जेपी दलाल चुनाव हारे, कांग्रेस प्रत्याशी राजवीर फरटिया ने 792 वोटों से हराया हार के बाद भाजपा का हाई वोल्टेज ड्रामा

लोहारू सीट से भाजपा प्रत्याशी एवं वित्त मंत्री जेपी दलाल चुनाव हार गए। कांग्रेस के राजवीर फरटिया ने जेपी दलाल को 792 मतों के अंतर से हराया। हालांकि हार के बाद इस सीट पर हाई वोल्टेज ड्रामा भी देखने को मिला लेकिन बावजूद इसके वित्त मंत्री जेपी दलाल अपनी हार नहीं टाल पाए। इस सीट पर री कॉन्टेंटिंग भी भाजपा प्रत्याशी द्वारा करवाई गई वहीं कांग्रेस द्वारा भी नतीजे में गड़बड़ी की शिकायत चुनाव आयोग से की गई। हरियाणा की लोहारू विधानसभा सीट पर इस बार काटि के टक्कर हुई है। इस सीट पर कांग्रेस के राजवीर फरटिया ने महज 792 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। उन्होंने बीजेपी के जेपी दलाल को शिकस्त दी है। मतगणना शुरू होने के बाद चार राउंड तक जेपी दलाल बढ़त बनाए हुए थे लेकिन बाद के समय में वह पिछड़ते चले गए हालांकि दोपहर बाद एक बार फिर से उनके वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ, हालांकि यह इजाफा उन्हें जीत नहीं दिला पाया। इस सीट पर मुकाबले को रोमांचक बनाने के लिए जेजेपी ने अलका आर्य को मैदान में उतारा था वहीं आम आदमी पार्टी ने गीता बाला और इनेलो के भूप सिंह श्योराण भी मैदान में थे हालांकि इनमें से कोई भी लड़ाई में नहीं आ पाया और शुरू से ही मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही रहा। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से इस सीट पर कांग्रेस का काफी प्रभाव रहा है। साल 1965 में परिसीमन के दौरान अस्तित्व में आई इस विधानसभा सीट पर पहला चुनाव 1967 में हुआ था।



यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार हीरा नंद विजयी हुए थे। उसके बाद से अब तक हुए कुल 13 चुनावों में से 5 चुनाव कांग्रेस की झोली में गिरे हैं वहीं बाकी के 8 चुनावों में बीजेपी और इनेलो ने भले ही जीत दर्ज की, लेकिन मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ही रही।

2019 में पहली बार खुला बीजेपी का खाता इस सीट पर पहली बार बीजेपी का खाता साल 2019 में खुला था। इस बार के चुनाव में भी यहां

उन्हें 61 हजार 365 वोट मिले थे और 17 हजार 600 वोटों से विजयी हुए थे। उन्होंने कांग्रेस के सोमवीर सिंह को शिकस्त दी थी। साल 2024 में भी वह इस सीट पर विजय की ओर बढ़ रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक साल 2019 में लोहारू विधानसभा सीट पर कुल 1 लाख 92 हजार 903 वोटर पंजीकृत थे।

2014 में जीते थे ओम प्रकाश बरवा

इनमें से 1 लाख 39 हजार 414 लोगों ने ही अपने मतदाताधिकार का इस्तेमाल किया था। साल 2014 में इस सीट पर 40 हजार 693 वोट पाकर ओम प्रकाश बरवा चुनाव जीत गए थे। उन्होंने बीजेपी के उम्मीदवार जय प्रकाश दलाल को 2100 वोटों के अंतर से हराया था। साल 2009 में भी यह सीट इनेलो के पास रही और 30 हजार 887 वोट पाकर मास्टर धर्मपाल चुनाव जीत गए थे। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार जयप्रकाश दलाल को महज साढ़े छह सौ वोटों से शिकस्त दी थी। इसी प्रकार साल 2005 के विधानसभा चुनावों में इस सीट से कांग्रेस के सोमवीर सिंह 44 हजार 140 वोट पाकर चुनाव जीत गए थे। उन्होंने करीब 12 हजार वोटों के अंतर से इनेलो नेता बहादुर सिंह को शिकस्त दी थी।

2009 में इनेलो को मिली सीट इसी दौरान पूर्व विधायक चंद्रवती कांग्रेस छोड़ जनता दल में शामिल हो गईं और 1991 में फिर से विधायक चुनी गईं। 1996 में हरियाणा विकास पार्टी के टिकट पर सोमवीर सिंह जीते। इसी प्रकार 2000 में इनेलो के टिकट पर बहादुर सिंह और फिर कांग्रेस के टिकट पर साल 2005 में सोमवीर सिंह यहां से विधायक चुने गए थे। साल 2009 में मास्टर धर्मपाल ओबरा इनेलो के टिकट पर जीते और साल 2014 में भी यह सीट इनेलो के पास रही।

2019 में बीजेपी की झोली में गई सीट इस चुनाव में ओम प्रकाश बरवा विधायक चुने गए थे। हालांकि 2019 में यह सीट बीजेपी के टिकट पर जयप्रकाश दलाल ने इनेलो से छीन ली। इस चुनाव में

'अहिंसा परमो धर्म:' तो 'धर्म हिंसा तथैव च:' की भी बात करता है हिंदू धर्म : सीएम योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में सोमवार को कहा कि हिंदू धर्म किसी का अंत नहीं करता। वह 'अहिंसा परमो धर्म:' की बात करता है, लेकिन वह 'धर्म हिंसा तथैव च...' की भी बात करता है यानी अहिंसा परम धर्म है, लेकिन राष्ट्र-धर्म की रक्षा और निदोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह धर्मसम्मत है। यह अपील भारत का शास्त्र करता है। सीएम योगी ने कहा कि 'अहिंसा परमो धर्म:' का पक्ष कहता है कि हम सेवा के कार्य से जुड़ें। दीन-दुखियों की सेवा के लिए जीवन समर्पित करें, लेकिन एकता-अखंडता को कोई चुनौती देगा और सीमाओं का अतिक्रमण करेगा तो राष्ट्र की सुरक्षा-संप्रभुता, देश की रक्षा के लिए धर्म सम्मत हिंसा के पक्षधर भी हैं, जो जनता को सुरक्षा प्रदान कर सके और भारत को एक भारत-श्रेष्ठ भारत रख सके।



सीएम योगी ने कहा कि लोककल्याण के लिए जाति, मत, मजहब से जुड़े महापुरुषों का सम्मान होना चाहिए। कोई व्यक्ति किसी महापुरुष, योगी-संन्यासी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करता है तो वह दंड का भागी बनता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन विरोध का मतलब तोड़फोड़ या लुटपाट नहीं है। यह कतई स्वीकार नहीं हो सकता। एक तबका हिंदू धर्म के देवताओं के खिलाफ

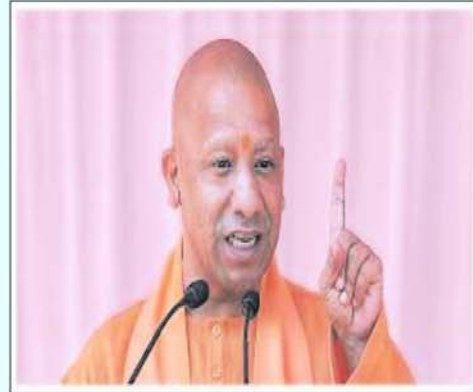
अपमानजनक टिप्पणी, महापुरुषों को अपमानित और मूर्तियों को खंडित करना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लेता है। यदि किसी के द्वारा विद्वेष में कोई शब्द कहे जाते हैं तो उसे लेकर जमीन-आसमान एक करने का कुत्सित प्रयास होता है। उन्होंने आगाह किया कि कानून को हाथ में लेने का दुस्साहस नहीं करें। ऐसा करने वालों को कानून की गिरफ्त में आना ही होगा। अराजकता को बढ़ावा देने वाले से कानून सख्ती से पेश आएगा। हर

मत, पंथ व संप्रदाय की आस्था का सम्मान है, लेकिन कानून को हाथ में लेने की स्वतंत्रता नहीं होगी। बाधा डालने वाले को कीमत चुकानी पड़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि शारदीय नवरात्रि मां दुर्गा के पूजन का अनुष्ठान है। पूरे देश में यह आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। जिस बंगाल में जगतजननी मां भगवती के अनुष्ठान का शुभारंभ होता है, उस बंगाल में आज सनातन धर्म असहाय और असुरक्षित दिखता है। बंगाल राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत देने वाली भूमि है। भारत के बौद्धिक आधार देने वाली भूमि है। आजादी में तमाम महापुरुषों को देने वाली भूमि है। जिस बंगाल ने जगदीश चंद्र बसु, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, स्वामी प्रणवानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी जैसा संपूर्ण भारत माता को प्रदान किया। आज उस बंगाल में क्या हो रहा है। वहां पर्व-

किसी भी धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य

लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी जाति, मत-मजहब अथवा संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी-देवता, महापुरुषों अथवा साधु-संतों के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोमवार को लोहारों के दृष्टिगत मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर थोपा भी



नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी-देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता

करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद-प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें। कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग तेज की जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग मिलकर काम करें।

पुलिस ने होटल संचालक के विरुद्ध लिखा मुकदमा

कन्नौज। जिले के तिवां नगर में हिंदूवादी संगठनों के सदस्यों ने ओयो होटल में एक मुस्लिम युवक और हिंदू युवती को पकड़ा। संगठन के सदस्यों ने होटल संचालक को अनैतिक काम करने से रोकने की चेतावनी दी और युवक-युवती को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवती को उसके परिवार को सौंप दिया जबकि युवक को पुलिस थाने में बैठा लिया गया। यह घटना तिवां कोतवाली क्षेत्र के राजकीय मेडिकल कॉलेज के पास की है। कुछ लोगों ने युवक-युवती को होटल में जाते हुए देखा और इसकी जानकारी बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों को दी। थोड़ी ही देर में संगठन के लोग होटल पहुंचे और हंगामा करते हुए युवक और युवती को पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों को थाने ले जाकर परिजन को सूचना दी। युवती के परिजन थाने पहुंचे और कार्यवाही से मना कर उसे अपने साथ ले गए।

हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की लगातार तीसरी हार राजनीतिक भविष्य पर सवालिया निशान?

गुट बाजी ने डुबोई कांग्रेस की नैया

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा ने इतिहास रच हैटिक लगाते हुए तीसरी बार सरकार बनाई है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस ने हार की हैटिक लगाई है। ऐसे में जहां भूपेंद्र हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने का आखिरी सपना भी टूट गया वहीं भविष्य में उनके राजनीतिक भविष्य पर भी सवालिया निशान लग गया है। ऐसे में जिस प्रकार से भाजपा ने पिछले 10 वर्षों से लगातार गैर जाट की राजनीति करते हुए प्रदेश की राजनीति में नई इबारत लिखी है। वहीं अब तीसरे प्लान में भी गैर जाट पर विश्वास जताते हुए उन्हीं के नेतृत्व में यह सारा चुनाव लड़ा गया और अब तीसरी बार सत्ता आने पर फिर से नायब सेना को ही मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। जिसकी प्रती भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन बडोली भी कर चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जिस प्रकार हिंदूत्व, गैर जाट, क्षेत्रवाद, भाई भतीजावाद भय, भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी शासन, बिना खर्चों पंचों के रोजगार, गैरलाल कसानों सहित अन्य लाभार्थियों के खाते में सीधे पैसे डालके विचोर्लियों को खत्म कर भाजपा के लिए बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ है।

ऐसे में कांग्रेस भी परंपरागत राजनीति को छोड़ते हुए नए सिरे से नोन जाट चेहरे को आगे करना होगा जिसमें दलित या पंजाबी चेहरा तलाश ना होगा।

व्या शैलजा की चुप्पी पड़ी भारी लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में भी हुड्डा का टिकट आवंटन में वन मैन शो रहा। जिसका वजह से कहीं सीटों पर जहां गलत टिकट आवंटन किया गया। वहीं इन सब से नाराज शैलजा सहित भूपेंद्र हुड्डा ने एक दूसरे के समर्थक कैडेटों की विधानसभा में चुनाव प्रचार से भी परहेज किया। इसके अलावा नरनंद विधानसभा से एक कांग्रेस समर्थक द्वारा शैलजा पर की गई अभद्र टिप्पणी भी कांग्रेस पर भारी पड़ती नजर आई है क्योंकि इसके बाद जहां सेल जाना राज होकर कोप धवन में चली गई लेकिन उसके कई दिन बाद भी किसी कांग्रेसी द्वारा उसे मनाने की कोशिश नहीं की गई हालांकि जब मुख्य सचिव कर्मांडू भाजपा ने शैलजा की नाराजगी को धुनाने की कोशिश करते हुए कांग्रेस पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया वहीं शैलजा को भाजपा में आने का न्यौता तक दे डाला। हालांकि शैलजा ने इन सभी बातों को नकारते हुए कहा



कि वे आखिरी सांस तक कांग्रेस में रहेंगे और उनका पार्थिव शरीर भी कांग्रेस के झंडे में लिपट कर ही जाएगा। इसके बाद जहां भूपेंद्र हुड्डा ने शैलजा के पक्ष में बोलते हुए कहा कि वह हमारी बहन हैं और पार्टी के सम्मानित नेता हैं ऐसे किसी भी नेता और कार्यकर्ता की पार्टी में जगह नहीं है। जो कि उनके खिलाफ किस प्रकार की टिप्पणी करेगा वहीं इस सब को देखते हुए कांग्रेसी कमान ने भी सारे मामले को अपने हाथ में लिया और अंबाला में हुई एक रैली के दौरान शैलजा और हुड्डा दोनों के आपस में हाथ मिलवाकर प्रदेश की जनता में यह संदेश देने का काम किया कि कांग्रेस में सब ठीक-ठाक है।

हुड्डा के होते किस किस दिग्गज ने छोड़ी पार्टी 2005 में भजन लाल के नेतृत्व में हरियाणा कांग्रेस ने 67 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन उसके बावजूद हाई कमान द्वारा भूपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री का पद सौंप दिया गया था इसके नाराज हो भजनलाल और उनके बेटे कुलदीप विश्वा ने कांग्रेस से अलग पार्टी बनाई थी। हालांकि उन्होंने कांग्रेस में विलय कर लिया था और अब फिर से कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी में हैं। जहां वीते उपचुनाव में उनका बेटा भव्य बिशनोई की आदरपुर सीट से भाजपा की टिकट पर विधायक बना था जो कि इस बार हार गया है।

इसी प्रकार गुडगांव लोकसभा से भाजपा की टिकट पर लगातार तीसरी और पांच बार के सांसद केद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी हुड्डा से नाराज होकर भाजपा में चले गए थे। जो कि आज तक भाजपा के लिए हर चुनाव में तुरप का इक्का साबित हो रहे हैं इस बार भी अहीरवाल में उनका जादू जमकर चला। इसके अलावा भिवानी सीट से लगातार तीसरी बार भाजपा के सांसद भी कांग्रेस से भाजपा में गए थे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर भी हुड्डा

से नाराज होकर ही कांग्रेस छोड़ गए थे हालांकि उन्होंने भी चंद दिनों पहले ही कांग्रेस में घर वापसी की है। इसके अलावा पूर्व मंत्री निर्मल सिंह भी कांग्रेस छोड़ चुके हैं जिन्होंने हाल ही में कांग्रेस में वापसी की है और अभी भी अंबाला से विधायक बन चुके हैं। जबकि वीते लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद छह बार के विधायक कैप्टन अजय यादव भी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर घर बैठ गए थे। इसके अलावा तेज धरार महिला नेत्री पूर्व मंत्री बंसीलाल की पुत्रवधु किरण चौधरी भी हाल ही में उनकी पुत्री श्रुति चौधरी का भिवानी लोकसभा सीट से टिकट कटने पर पार्टी को अलविदा कह चुकी है जहां उन्हें आप भाजपा में राज्यसभा सांसद बनाया गया है वहीं उनकी बेटे श्रुति तोशाम सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक बन गई है। वहीं किरण का प्रभाव के चलते ही भाजपा भिवानी में जबरदस्त प्रदर्शन कर पाई है। इसके अलावा कई अन्य नेता भी कांग्रेस को अलविदा कह चुके हैं। इनमें से ज्यादातर नेताओं का अपने क्षेत्र और प्रदेश बड़ा प्रशंसक वर्ग था। जो कि कहीं ना कहीं भाजपा के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक लगाए जाएंगे सदस्यता कैंप

गाजियाबाद। महानगर अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा सचिन डेड़ा के नेतृत्व में 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मंडली में लगाए जाएंगे। महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा सचिन डेड़ा ने भाजपा सदस्यता अभियान के दूसरे चरण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह 6 अक्टूबर से लेकर 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान महानगर के सभी विश्व मंडलों में सदस्यता कैंप चलाया जाएगा।



सदस्यता अभियान पार्टी का एक महत्वपूर्ण अभियान है और सभी कार्यकर्ता इसे गंभीरता से लेते हुए घर-घर जाकर सभी को सदस्यता ग्रहण कारण एवं केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को भी लोगों को बताएं क सदस्यता अभियान के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए महानगर मीडिया प्रभारी अभिजीत मुखर्जी ने बताया कि सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शिक्षण संस्थाएं बस स्टैंड और ज्यादा से ज्यादा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर स्टाल लगाकर लोगों को सदस्यता करवाएं क 1 से 15 अक्टूबर के बीच समाज के विभिन्न वर्गों जातीय समूहों को भाजपा से जोड़ने के लिए पार्टी

के कार्यकर्ताओं को विशिष्ट संपर्क करना है, साथ ही जो लक्ष्य शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए हैं उसे युवा मोर्चा सचिन डेड़ा के नेतृत्व अधिक सदस्यता कर गाजियाबाद को प्रथम स्थान पर पहुंच जाऐं क 6 अक्टूबर को सचिन डेड़ा खोड़ा व खोड़ा मकनपुर मंडल में कैंप में उपस्थित रहे एवं लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलवाई क कैंप में मुख्य रूप से महानगर कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा पुष्पेंद्र गुप्ता, खोड़ा मकनपुर मंडल अध्यक्ष पंकज लड्डा, खुदा मंडल अध्यक्ष अनुराज कसाना, रोहित मिश्रा विनय गुप्ता एवं अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन सुविधाओं के विस्तार के लिए धन की कमी नहीं आएगी: ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह

ऊर्जा मंत्री ने वार्ड 32, 33 में किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

महेंद्र शर्मा संपादक पुष्पांजलि टुडे गवालियर। गवालियर उप नगर के सभी वार्ड, गली, मोहल्ले और बस्तियों के सर्वांगीण विकास में सरकार द्वारा कोई कोर कसर नहीं छोटी जायेगी। इन बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार संसाधनों की कमी नहीं आने देगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। यह बात प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को गवालियर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में विकास कार्यों का भूमिपूजन करते हुए कही। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार की सुबह अपने क्षेत्रीय भ्रमण की शुरुआत भगवत सहाय महाविद्यालय में पौधारोपण करके की। इसके बाद गवालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 32 के फूलबाग की रेलवे क्रॉसिंग के निकट स्थित चिमनी का पुरा में निरीक्षण धनकिया। इस दौरान उन्होंने सड़क, सीवर, पानी और बिजली की समस्याओं का स्थल पर निराकरण किया।



एलिवेटेड रोडनिर्माण स्थल के समीप स्थित झुग्गी बस्ती में पहुंचकर रहवासियों की राशन, पेंशन

ऊर्जा मंत्री ने वार्ड 32 के ही चन्द्र नगर में तथा मकान की समस्याएं सुनी तथा मौके पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए भरोसा दिलाया के यहां जितने भी कच्चे मकान बने हैं सभी को पट्टे दिलाए जाएंगे। इसके बाद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 32 में विकास नगर में सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, पानी और सीवर सिस्टम का निरीक्षण करते हुए स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में खामियां मिलने पर नगर निगम अधिकारी को फटकार लगाई। उन्होंने वार्ड क्रमांक 16 बिरला नगर के न्यू कॉलोनी नम्बर 3 में नवीन सीवर लाइन का भूमिपूजन करते हुए कहा कि स्थानीय समस्याओं को हल करने की कवायद चल रही है। क्षेत्र के पार्क का सौन्दर्यीकरण कराया जाकर पार्क में असमाजिक तत्वों से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। इसके बाद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 33 के नवाव सहबाग का कुआं पर वाटर कूलर का शुभारंभ किया।

साथ ही रामदास घाटी के पास प्रजापति मोहल्ले में नवीन सीवर लाइन और सीमेंट कांक्रिट रोड का भूमिपूजन किया। उन्होंने संत रविदास नगर में नवीन सीवर लाइन का भी भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के साथ अलग-अलग स्थानों पर अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री अतुल सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिंह सिकरवार, कार्यपालन यंत्री श्री सुशील कटारे, नोडल अधिकारी श्री लल्लन सेगर, सहायक यंत्री श्री अशोक गुप्ता तथा श्री रामसेवक शाक्य, उपयंत्री श्री जगदीश सेन, भाजपा महाराजा मानसिंह तोमर मंडल अध्यक्ष श्री योगेन्द्र सिंह तोमर, संत रविदास मंडल अध्यक्ष श्री आकाश श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अरुण सिंह तोमर, पार्षद श्री महेन्द्र आर्य, पार्षद श्री सोनू त्रिपाठी, पार्षद श्रीमती सुनीता अरुण कुशवाहा, पूर्व पार्षद श्रीमती अंजली रायजादा तथा सतीश खटीक सहित वरिष्ठ अधिकारी तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री आज करेंगे विकास कार्यों का भूमिपूजन

गवालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 10 अक्टूबर 2024 गुरुवार को गवालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में श्री तोमर वार्ड क्रमांक 01 के बरा गांव एवं सुभाष नगर जैन कॉलोनी में प्रातः 10:30 बजे - सुभाष नगर जैन कॉलोनी में रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। तत्पश्चात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर दोपहर 01:00 बजे ग्राम बरा की विभिन्न गलियों में नवीन नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे।

महापौर ने मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र देकर 100 करोड़ रुपए दिए जाने का आग्रह किया

गवालियर। महापौर श्रीमती डॉ.शोभा सतीश सिकरवार ने वर्षों के कारण खराब हुई शहर की सड़कों को बनाने के लिए आज गवालियर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव को एक मांग पत्र देकर 100 करोड़ रुपए दिए जाने का आग्रह किया है। महापौर ने पत्र में लिखा है कि गवालियर शहर गालव ऋषि की तपोभूमि होने के साथ-साथ तानसेन की जन्मभूमि भी रही है तथा वर्तमान में निरंतर विकासोन्मुख होकर प्रगतिरत है। गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम गवालियर की वर्षाकाल के दौरान सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। जलभराव की समस्या जगह-जगह देखने को मिली है तथा निगम सीमान्तगत रहवासियों के क्षेत्रीय विस्तार में भी वृद्धि हुई है, जिससे गवालियर महानगर में सी.सी.सड़क, नाला आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना नगर निगम गवालियर का कार्य है। इस दृष्टि से आपसे आग्रह है कि गवालियर शहर में सड़कों, नालियों के निर्माण कार्य हेतु शासकीय योजनाओं एवं अन्य के माध्यम से लगभग 100 करोड़ की राशि उपलब्ध कराये जाने का कष्ट करें। ताकि गवालियर शहर की जनता को मूलभूत सुविधाओं का लाभ दिया जा सके। साथ ही निगम के देयकों जिसमें चुंगी क्षतिपूर्ति आदि भी नगर निगम गवालियर को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।



स्टेशन पर चला किलाबंदी टिकट जांच अभियान



गवालियर। रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम के लिये रेलवे ने ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने, धूम्रपान करने वालों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। अभियान मंडल रेल प्रबंधक डॉ.सी दीपक कुमार सिन्हा व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देशन में चला गया। जांच अभियान के दौरान ट्रेन में तथा स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल बना रहा। जांच अभियान में 68 अनियमित यात्रा, धूम्रपान, गंदगी फैलाने वाले, बिना बुक लगेज के यात्रा करने वाले यात्रियों से 38790 जुर्माना वसूल किया गया। अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक प्रियंक पुरोहित, सुन्दर सुरैया, विकास श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिविल अस्पताल हजीरा में हुई हाई रिस्क महिलाओं की जांच



गवालियर। बुधवार को सिविल अस्पताल हजीरा में अस्पताल इंचार्ज डॉ. प्रशांत नायक के नेतृत्व एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जे.के. मसोरिया, ओएसटी प्रभारी डॉ. रश्मि मिश्रा, डॉ. उषा चौरसिया द्वारा हाई रिस्क प्रेगनेंसी चेकअप डे का आयोजन किया गया जिसमें हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच की गई एवं एचआईवी टेस्टिंग, एचआईवी रोग के बारे में विस्तृत जानकारी एवं पोषण आहार, गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण का महत्व एवं सरकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में काउंसलर सोनम सेगर, डाटा मैनेजर प्रहलाद शाक्य, एएनएम सुनीता देवी, स्टोर कीपर विवेक त्यागी एवं कैंटीन का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वैच्छिक रक्तदान से ही हो सकती है खून की पूर्ति: सीएमएचओ भोपाल

स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान करने के लिए निरंतर लोगों को जागरूक किया जाता है। साथ ही रक्तदान को नियमित अंतराल एवं यादगार दिनों में किए जाने के लिए प्रेरित भी किया जाता है। इसी कड़ी में शिवाजी नगर निवासी 22 वर्षीय मानस गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर स्वैच्छिक रक्तदान किया। मानस 18 साल की आयु पूर्ण करने के बाद से हर साल अपना जन्मदिन रक्तदान करके ही मनाते हैं। इन्होंने जयप्रकाश जिला चिकित्सालय आकर अपना ब्लड डोनेट किया। ब्लड डोनेशन जे पी अस्पताल ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. नीता जैन के मार्गदर्शन में किया गया। मानस के पिता श्री मुकुल गुप्ता प्रशासनिक सेवा से जुड़े हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि विभाग द्वारा रक्त की पर्याप्त एवं निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। रक्त की निर्बाध पूर्ति के लिए आवश्यक है कि रक्तदान नियमित रूप से किया जाए। डॉ. तिवारी ने अपील की है कि लोग अपने जन्म दिवस, वर्षगांठ एवं अन्य प्रमुख दिनों पर रक्तदान अवश्य करें। इस रक्त से कई लोगों के जीवन की बचाने में मदद मिलती है। ये रक्त दुर्घटना एवं आघात पीड़ितों, सर्जरी के रोगियों, कैंसर मरीजों, एनीमिक एवं गर्भवती महिलाओं, सिकल सेल, थैलेसिमिया, हेमोफिलिया के रोगियों के जीवन को बचाने के लिए बेहद मददगार होता है।

सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को सिखाई गई आपदा प्रबंधन की बारीकियाँ

संयुक्त संचालक डॉ. जोसेफ ने अपने प्रस्तुतीकरण में आपदा एवं आपदा के प्रकार, आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005, आपदा प्रबंधन नीति, 2009, के साथ-साथ आपदा प्रबंधन चक्र एवं आपदा के पश्चात पं.]ने वाले मनोसामाजिक प्रभाव एवं उससे उबरने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार जैन ने कहा कि हमें प्राकृतिक आपदाओं के साथ साथ दैनिक जीवन में आने वाली मानव निर्मित आपदा एवं दुर्घटनाओं से बचाव के लिए भी कार्य करना चाहिए। स्वयं सेवी संस्थाओं



द्वारा ग्राम स्तर पर जन जागरूकता कर लोगों को जागरूकता कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास करें। कार्यशाला में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद् धर्मेश दीक्षित

ने भी विचार व्यक्त किए। आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल, गृह विभाग संस्थान में पदस्थ तकनीकी विशेषज्ञ अभिषेक मिश्रा ने भूकंप आपदा प्रबंधन एवं सर्प-दंश प्रबंधन, आगजनी प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा-सी.पी.आर. व आकाशीय बिजली प्रबंधन पर अपनी बात रखी। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से पधारे जिला सलाहकार अनुराग पचौरी ने आगजनी प्रबंधन के बारे में अपनी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बात रखी। कार्यक्रम में जिले की लगभग 95 स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

विश्व में शांति स्थापित करने का एकमात्र सूत्र अहिंसा परमो धर्मा आचार्य समय सागर महाराज



आशीर्वाद दिया. आचार्य समय सागर महाराज ने विश्व में चल रहे युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी धर्मों और सभी देशों को अहिंसा का पालन करना चाहिए एवं सभी भारतीय देश में निर्मित स्वदेशी सामान का ही प्रयोग करें।

मर्तेगिश्वर सेवा समिति एवं ददा जी इंटरनेशनल कल्चर सेंटर एवं परिवर्तन एनजीओ के संस्थापक पंडित सुधीर शर्मा के द्वारा समस्त यूरोप में चलाए जा रहे विद्यासागर जी महाराज के अहिंसा परमो धर्मा, श्रम दान, अहंम ध्यान योग की आचार्य समय सागर महाराज ने प्रशंसा कर उन्हें आशीर्वाद दिया, उन्होंने कहा कि इस अभियान को निरंतर ऐसे ही आगे बढ़ाते रहे श्री शर्मा ने आचार्य श्री को बताया कि बहुत ही जल्द खजुराहो को शाकाहारी एवं अल्कोहल फ्री शहर बनाने का उनका प्रयास है इसकी शुरुआत 5 स्टार कैंटेजरी होटलों से हो चुकी है। विदित हो 02 अक्टूबर को अहिंसा दिवस पर आचार्य श्री प्रणय सागर जी महाराज ने जयपुर के सवाई माधो स्टेडियम में बीस हजार भक्तों के समक्ष श्री शर्मा एवं इंजीनियर सुंदर गुप्ता द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए उन्हें को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी धर्मों और सभी देशों को अहिंसा का पालन करना चाहिए एवं सभी भारतीय देश में निर्मित स्वदेशी सामान का ही प्रयोग करें।

बालिकाओं ने किया रोमांचक मार्शल आर्ट का प्रदर्शन

गवालियर। 'शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत जिला खेल परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में बालिकाओं ने मार्शल आर्ट का रोमांचक प्रदर्शन किया। साथ ही साबित किया कि बालिकाएँ अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा -जिला ताईक्रांडो खेल संघ- के सहयोग से आयोजित हुए इस कार्यक्रम में 15 बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया। ताईक्रांडो संघ के सचिव अजय गुप्ता के मार्गदर्शन में बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि महिलाओं व बालिकाओं के सम्मान व सशक्तिकरण के लिए अभियान के तहत सामाजिक जागरूकता की पहल की गई है। अभियान की गतिविधियों के अंतर्गत आंगनबाई'यों में शक्ति पूजन दिवस, विद्यालयों में महिला सुरक्षा पर पेन्टिंग प्रतियोगिता, महिला से सम्बन्धित एक्ट/अधिनियम पर चर्चा, महिला जागरूकता रैली, संवाद कार्यक्रम, रोजगार, बिजनेस, उद्यमिता में महिलाओं की ब'ती भागीदारी, महिला बुजुर्गों का सम्मान दिवस, सशक्त वाहिनी पंजीयन, पंचायत व वार्ड स्तर पर सेफ्टी वॉक, मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धीकरण, विकास में महिला भागीदारी पर परिचर्चा एवं बालिकाओं द्वारा आर्ट प्रदर्शन आदि का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र सिंह जादौन, जिला खेल परिसर के सीडिओ धर्मवीर सिंह भदौरिया, परियोजना अधिकारी श्रीमती रेखा तिवारी, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व बालिकाएँ उपस्थित रहीं।

मानसिक स्वास्थ्य की बेह्तरी के लिए कार्य स्थल पर नियोक्ता व कर्मचारी मिलकर काम करें : जिला न्यायाधीश

गवालियर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में मानसिक आरोग्यशाला में -कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता- विषय पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मानसिक स्वास्थ्य व अवसाद के कारण एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रखने के उपाय, कार्य स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिये जरूरी सुविधाएँ इत्यादि विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं ने उपयोगी जानकारी दी। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मानसिक आरोग्य शाला, भारतीय चिकित्सा संघ गवालियर, लार्थस क्लब व रेड क्रॉस के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीष दवडे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाये रखने के लिए कार्य स्थल का वातावरण सकारात्मक और

बेहतर होना जरूरी है। इसके लिए नियोक्ता और कर्मचारियों को एक दूसरे के सहयोग से व संगठन

स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने के लिए मन और मस्तिष्क को आनंदित रखना आवश्यक है। जिला



के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा मानसिक विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने मानसिक

रोगियों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, नालसा टोल फ्री नंबर 15100 व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानसिक रोगियों के लिए उपलब्ध निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में मानसिक आरोग्य शाला के संचालक डॉ. संजय लहरिया ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का महत्व, मानसिक स्वास्थ्य व कार्यस्थल के बीच महत्वपूर्ण संबंध, मानसिक स्वास्थ्य पर जन जागरूकता की आवश्यकता आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृतिका ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अभिजीत ने किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी गवालियर से डॉ. नवल किशोर शुक्ला, डॉ. अनिल दोहरे सहित मानसिक आरोग्य शाला के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल स्टूडेंट्स आदि उपस्थित रहे।